दैनिक
प्रातः कालीन
हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित
RNI NO-
UPBIL/2021/83001

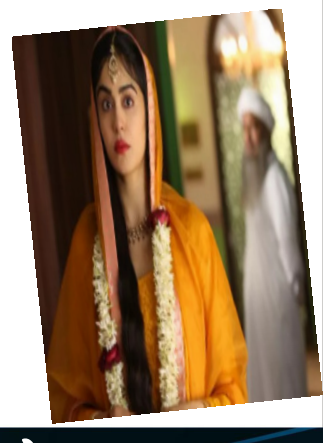

वर्ष :- 03 अंक :- 29 मुरादाबाद, 19 May 2023 (Friday) पृष्ठ :- 12 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी ने ओडिशा की पहली वंदे भारत को हरी झंडी दिखाई, कहा- जब यह ट्रेन गुजरती है तो देश की प्रगति

पीएम मोदी ने कहा कि बीते वर्षों में भारत ने कठिन से कठिन वैश्विक हालातों में भी अपने विकास की गति को बनाए रखा है। इसके पीछे का कारण हर राज्य की भागीदारी है। देश हर राज्य को साथ लेकर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के लोगों को %वंदे भारत ट्रेन% का उपहार दिया है। पीएम मोदी ने वर्चुअली ओडिशा के पुरी-हावड़ा रूट पर वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। इसके साथ ही पीएम ने 8200 करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि %वंदे भारत ट्रेन% आधुनिक भारत और आकांक्षी भारतीय दोनों का प्रतीक बन रही है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के लोगों को %वंदे भारत ट्रेन% का उपहार दिया है। पीएम मोदी ने वर्चुअली ओडिशा के पुरी-हावड़ा रूट पर वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। इसके साथ ही पीएम ने 8200 करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि %वंदे भारत ट्रेन% आधुनिक भारत और आकांक्षी भारतीय दोनों का प्रतीक बन रही है.

ये लोग हुए शामिल

कार्यक्रम में पीएम मोदी दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े थे, जबकि ओडिशा के गवर्नर गणेशी लाल, मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान शरकत हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज ओडिशा और पश्चिम बंगाल के लोगों को वंदे भारत ट्रेन का उपहार मिल रहा है। वंदे भारत ट्रेन आधुनिक भारत और आकांक्षी भारतीय, दोनों का प्रतीक बन रही है। आज जब वंदे भारत एक स्थान से दूसर स्थान पर यात्रा करते हुए गुजरती है तो उसमें भारत की गति और प्रगति दिखाई देती है। उन्होंने आगे कहा कि भारत इस साल अपनी आजादी का अमृत काल मना रहा है। भारत की एकता को और मजबूत करने का यह सही समय है, जितनी अधिक एकता होगी, भारत की सामूहिक क्षमता उतनी ही अधिक बढ़ेगी। इस अमृतकाल में वंदे भारत ट्रेनें विकास का इंजन भी बन रही हैं और एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना को भी आगे बढ़ा रही हैं। वर्चुअली शामिल हुए पीएम मोदी ने कहा कि बीते वर्षों में भारत ने कठिन से कठिन वैश्विक हालातों में भी अपने विकास की गति को बनाए रखा है। इसके पीछे का कारण हर राज्य की भागीदारी है। देश हर राज्य को साथ लेकर आगे बढ़ रहा है। आज का नया भारत टेक्नोलॉजी भी खुद बना रहा है और नई सुविधाओं को तेजी से देश के कोने-कोने में पहुंचा भी रहा है। उन्होंने कहा कि यह वंदे भारत ट्रेन, भारत ने अपने बलबूते ही बनाई है। वंदे भारत एक्सप्रेस हावड़ा और पुरी के बीच धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध को और मजबूत करेगी। उन्होंने कहा कि आज देश में 17 वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। ये कनेक्टिविटी और देश की अर्थव्यवस्था दोनों को बढ़ावा दे रहे हैं। हमारी वंदे भारत ट्रेनें भी अब उत्तर से लेकर दक्षिण तक, पूरब से लेकर पश्चिम तक देश के हर किनारे को स्पर्श करती हैं।

8,200 करोड़ की परियोजना का उद्घाटन

वहीं, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पीएम मोदी आज 8,200 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया है। हमारा उद्देश्य ओडिशा के पूरे रेलवे नेटवर्क को विश्व स्तरीय बनाना है। केंद्र सरकार ने ओडिशा में रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए 10000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

यह है खासियत

ओडिशा की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन 16 कोच वाली होगी और पुरी से हावड़ा की दूरी 6.30 घंटे में पूरी करेगी। यह ट्रेन पुरी से खुलने के बाद खड़गपुर, भद्रक, बालासोर, कटक, भुवनेश्वर, खुर्दा स्टेशनों पर रुकते हुए हावड़ा में टर्मिनेट होगी। पुरी-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस गुरुवार को छोड़कर सप्ताह में 6 दिन चलेगी। यह सुबह 6.10 बजे हावड़ा से निकलेगी और दोपहर 12.35 बजे पुरी पहुंचेगी। वापसी में यह दोपहर 1.50 बजे पुरी से चलेगी और रात 8.30 बजे हावड़ा पहुंचेगी।

कानून मंत्रालय, अर्जुन राम मेघवाल को मिली जिम्मेदारी

राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। इसमें कहा गया कि प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति ने केंद्रीय मंत्रिपरिषद के सदस्यों को विभागों का पुनर्आवंटन किया है।मोदी सरकार में अलग-अलग विभागों की जिम्मेदारियां निभा चुके किरेन रिजिजू से कानून मंत्रालय छीन लिया गया है। बताया गया है कि इस मंत्रालय की जिम्मेदारी अब अर्जुन राम मेघवाल को सौंपी गई है। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई।

इसमें कहा गया कि प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति ने केंद्रीय मंत्रिपरिषद के सदस्यों को विभागों का पुनर्आवंटन किया है।विज्ञप्ति के मुताबिक, किरेन रिजिजू को अब पृथ्वी-विज्ञान मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इससे पहले केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह इस मंत्रालय को संभाल रहे थे।

वहीं, मेघवाल को कानून राज्य मंत्री के तौर पर स्वतंत्र प्रभार दिया गया है। मेघवाल पहले से ही संस्कृति मंत्रालय और संसदीय मामलों के मंत्रालय में राज्यमंत्री के पद पर हैं।

इस बीच, रिजिजू ने एक ट्वीट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री के रूप में कार्य करना उनके लिए 'एक विशेषाधिकार और सम्मान' की बात रही है। उन्होंने कहा, ''मैं भारत के प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, उच्चतम न्यायालय के सभी न्यायाधीशों, उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों और न्यायाधीशों, निचली न्यायपालिका और सभी कानून अधिकारियों को न्याय की सुगमता सुनिश्चित करने और हमारे नागरिकों के लिए कानूनी सेवाएं प्रदान करने में भारी समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं।'' रिजिजू ने कहा, ''मैं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय में प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए उसी उत्साह और जोश के साथ काम करने को तत्पर हूं, जिसे मैंने एक विनम्र कार्यकर्ता के रूप में आत्मसात किया है।''

यूपी पुलिस ने पहली बार पकड़ी 300 करोड़ की ड्रग्स, 9 विदेशी नागरिक गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा- ग्रेटर नोएडा के सेक्टर थीटा दो स्थित तीन मंजिला मकान में चल रही अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स फैक्ट्री का स्वाट टीम ने भंडाफोड़ किया है। मौके से अफ्रीकी मूल के नौ आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से 46 किलोग्राम ड्रग्स बरामद की गई है इससे पहले दिल्ली और मुंबई पुलिस उत्तर प्रदेश में ड्रग्स पकड़ चुकी है। पहली बार यूपी पुलिस के हाथ ड्रग्स की इतनी बड़ी खेप लगी है। यह कार्रवाई डीसीपी ग्रेटर नोएडा के खास इनपुट पर की गई है।पुलिस ने दावा किया है कि बरामद ड्रग्स की कीमत 300 करोड़ रुपये है। उत्तर प्रदेश पुलिस ने पहली बार ड्रग्स की इतनी बड़ी खेप पकड़ी है। आरोपित पिछले एक साल से फैक्ट्री चला रहे थे। फैक्ट्री का संचालन लैब के तरीके से होता था। यही ड्रग्स बनाई जाती थी। उसको पैकेट के रूप में फ्लाइट से विदेश भेजा जाता था। कैलीफोर्निया व नाइजीरिया समेत कई अन्य देश में यहां से ड्रग्स भेजने की पुष्टि हुई है। इसके अलावा भारत के नार्थ ईस्ट में भी सप्लाई की जाती थी। गौतमबुद्ध नगर पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने बताया कि ड्रग्स कार्टेल, क्रिप्टो करेंसी और टेरर फंडिंग से ड्रग्स फैक्ट्री के तार जुड़े है। आरोपितों ने ड्रग्स बनाने के लिए लैबोरेट्री और डिस्ट्रीब्यूशन के लिए बेस बना रखा था। यहां एक फैक्ट्री सेट अप बनाया था। ड्रग मैन्युफैक्चरिंग के बाद विदेश के अलावा दिल्ली एनसीआर में होने वाली रेव पार्टी में भी सप्लाई की जाती थी। आरोपितों के कब्जे से बरामद 46 किलोग्राम मैथाफेटामाइन (एमडीएमए) उच्च गुणवत्ता वाला ड्रग है। सेंट्रल नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अनुमान पर बरामद ड्रग्स 300 करोड़ की आंकी गई है। ड्रग्स बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाला केमिकल भी बरामद किया गया हैं।

एक साल से चल रही थी फैक्ट्री

ड्रग्स की फैक्ट्री पिछले एक साल से चल रही थी। ड्रग कार्टेल का पुलिस पता लगाने में जुटी हुई है। डीसीपी ग्रेटर नोएडा साद मियां खान व स्वाट टीम प्रभारी यतेंद्र कुमार ड्रग्स माफिया का पिछले तीन महीने से पीछा कर रही थी। जब पक्की सूचना मिली कि फैक्ट्री में करोड़ों की ड्रग्स बन रही है तब ही पुलिस ने दबिश देकर आरोपितों को धर दबोचा।

क्रिप्टो करेंसी से हुआ लेनदेन पकड़े गए

अफ्रीकी मूल के नागरिकों के पास कोई बैंक खाता, एटीएम या फाइनेंशियल कागजात नहीं मिले है। आरोपित बिना वीजा के रह रहे थे। पूछताछ में पता चला है कि ड्रग्स सप्लाई के बाद मिलने वाली रकम का लेनदेन क्रिप्टोकरंसी के जरिए किया जाता था। आरोपितों के फाइनेंसियल ट्रांजैक्शन और इंटरनेशनल कनेक्शन को भी पुलिस खंगाल रही है। आरोपितों के बैकग्राउंड और फारवर्ड लिंकेज का पुलिस जल्द ही पर्दाफाश करेगी।

टेरर फंडिंग से जुड़े तार

आरोपितों के तार टेरर फंडिंग से जुड़े हुए है। पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों को इस बारे में सूचना दी है। पकड़े गए नौ आरोपितों में एक पूर्व में नालेज पार्क से नशीला पदार्थ की तस्करी में जेल जा चुका है।यह आरोपित हुए गिरफ्तार अनुडुम इमैनुएल, जोकू उबाका, डेनियल अजूह, ड्रामेमोंड, लीवी जू, जैकेब एमिली, कोफी, चिडी जीयागवा, जोकू लेची। सभी अफ्रीकी मूल के नाइजीरिया के रहने वाले है।

ऐसे बनाते थे ड्रग्स

आरोपितों एपहेड्राइन को बाकी कैमिकल्स के साथ बर्नर में कुक करते थे। कुक करने के बाद मैथ को ऐसेटोन, एथनाल व मिथनाल के साथ शाल्यूशन में एक्सट्रैक्ट किया जाता था। एक्सट्रैक्शन के बाद मैथ को मिथनाल व ऐसे टोन के शाल्यूशन में फ्रीज किया जाता था। फ्रीज के बाद प्योर मैथ तैयार होता था। आरोपित आनलाइन ड्रग्स बनाने की विधि देखकर ड्रग्स तैयार करते थे।

डिप्टी सीएम केशव ने अखिलेश को बताया पराजय का धनी, एक और हार की अग्रिम बधाई दी

यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को पराजय का धनी करार देकर तंज कसा और चुनाव में हार की अग्रिम बधाई दी है।यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए उन्हें पराजय का धनी करार दिया है। गुरुवार को उन्होंने ट्वीट कर कहा कि पराजय के धनी सपा बहादुर अखिलेश यादव की पार्टी सपा को विधान परिषद उपचुनाव में प्रत्याशी उतार कर नगरीय निकाय चुनाव में करारी शिकस्त के बाद एक और सुनिश्चित पराजय के लिए अग्रिम बधाई!सपा ने प्रदेश की दो विधान परिषद सीटों पर हो रहे उप चुनाव में अपने प्रत्याशी उतार दिए हैं। अब हार-जीत का फैसला मतदान से होगा। हालांकि, चुनाव में भाजपा का पलड़ा भारी बताया जा रहा है। सपा ने विधान परिषद चुनाव के लिए पूर्व एमएलसी रामजतन राजभर और रामकरण निर्मल को उम्मीदवार बनाया है। इस दोनों प्रत्याशियों ने सपा नेता व कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में गुरुवार को नामांकन दाखिल कर दिया है। भाजपा ने पदमसेन चौधरी और मानवेंद्र सिंह को उम्मीदवार बनाया है। दोनों ही प्रत्याशियों ने गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में नामांकन दाखिल किया।

संपादकीय Editorial

Protest in unity

The formula given by West Bengal Chief Minister and Trinamool Congress President Mamata Banerjee for opposition unity and fighting the 2024 general elections together is not acceptable to the Congress. Mamta's suggestion was that in the 200 seats where the Congress is strong, the regional parties should support its candidate. In states where regional parties are strong and they have governments, the Congress should support their candidates.

Giving the example of Bengal, Mamta clearly said that Congress should not oppose us. In fact, opposition unity is possible only when different parties leave their narrow-mindedness and pettiness. This does not seem possible at the moment, because after the Karnataka mandate, the Congress has started flourishing once again. He looks as if he has conquered the whole country! It can even be said that the arrogance of his national party has resurfaced. Congress spokesperson Alka Lamba has clearly said during TV discussions that the Trinamool Congress should first look into its own backyard.

We do not need the support of such parties. The Trinamool remained the 'B team' of the BJP. The statement of Adhir Ranjan Chowdhary, leader of the Congress Parliamentary Party in the Lok Sabha, is also anti-Mamata. Veteran leader Sharad Pawar has said many times that the strong party should be helped. Like-minded parties should come together and a common minimum program should also be prepared. On the basis of that, the general elections of 2024 can be fought. Since the meeting of 'Niti Aayog' is to be held in the capital Delhi at the end of this month, most of the Chief Ministers will also come to Delhi. There is also news of the arrival of Nitish and Mamta. Mamta Banerjee will probably meet Sonia Gandhi! But the political advantage of these meetings, dialogues and strategies is only when the shape of opposition unity starts coming to the fore. Nitish Kumar is constantly meeting opposition leaders. Don't know what is happening, but Odisha Chief Minister Naveen Patnaik after meeting Nitish gave a statement that there is no third front yet. It is obvious that his BJD wants to contest the elections in the same way as it has been contesting. Naveen Patnaik is not a clear opponent of Prime Minister Modi. However, there is no alliance with BJP either. It was suggested to Nitish that he should hold a mega rally of opposition leaders in Patna on the lines of Jayaprakash Narayan's 'Total Revolution'.

The Congress also does not agree with this, because the JP movement was a front against Indira Gandhi, the supreme leader of the Congress and the Prime Minister of the country. The Congress argues that the opposition unity and the entire campaign for the 2024 election should be against Prime Minister Modi. A common formula should be decided, on which campaigning should be started across the country from now itself. However, opposition unity is still a long way off. More or less all major parties should learn to accept each other. These arguments of the Congress are also becoming vocal that apart from Bengal, regional parties are strong in the states of Odisha, Andhra Pradesh, Telangana, UP, Delhi, Punjab etc. They are also ruling in most of the states. So should the Congress not contest elections from these states?

In the 2019 elections, 52 Congress MPs were elected and the party stood second on 209 seats. It is also a fact that in 2019 itself, BJP and Congress contested elections head-to-head on 136 parliamentary seats, out of which Congress got only 7 seats. Congress wants to know how will be the situation of BJP vs Opposition with a common candidate in 2024?

Amritkal: It's Now Just 'All India Radio', New Name of India's Public Radio Broadcasting Service

India's public radio broadcasting service has been known as 'All India Radio', but now it will be known only as Akashvani. Even though we are proud of our country's name Bharatvarsha, but in the constitution, an English line has been used for it, Idea that is India. We have completed the journey from Independence to Amritvarsh, but still officially 'India that is Bharat'. Similarly, India's public radio broadcasting service has also been known as 'All India Radio'. However, in 1957 its name was Indianised to Akashvani. This name was kept on the suggestion of Pandit Narendra Sharma, a famous lyricist of Hindi films and contemporary poet of Nirala. But for radio broadcasting, the name Akashvani was used in only a few Indian languages including Hindi. In the nectar of independence, now All India Radio is moving towards becoming a thing of the past. From May 3, 2023, the public broadcaster will now be known only by the name Akashvani. On May 3, when Prasar Bharati, the Controller of Public Broadcasting Services, directed the use of only the name Akashvani for its radio broadcasting service, it coincided with assembly elections in Karnataka. As has been the practice since 1937, whenever Hindi is used, some voices of deliberate protest are raised from South India. But those who raised the voice may have been unaware of one fact. Even though the name Akashvani was given for public radio broadcasting in 1957, a radio station named Akashvani had started in India long before independence. Interestingly, the station, which started on September 10, 1935, did not belong to the British government or any royal family, but to MV Gopalaswamy, a retired professor from Mysore. He started this station from his house located about two hundred meters away from Mysore Rajmahal. The people trying to create an issue in the Karnataka elections were swept out of their feet as soon as they came to know that a radio station named Akashvani was broadcasting in the main city of Mysore even before independence. Professor MV Gopalaswamy named his radio station 'Akashvani Mysore'. All India Radio was started by the Government of India on June 8, 1936, exactly eight months and 28 days after Akashvani Mysore started broadcasting. Whenever Hindiization starts, or there is talk of promoting it, apart from the South, voices of protest are also raised from West Bengal. It is a matter of wonder that the land of West Bengal where Hindi journalism thrived, the Bengal sage Keshavchandra Sen suggested to make Hindi the national language, from whose soil Subhash Chandra Bose chose Hindi to address the nation, The process of Hindiization is opposed even from the land of Bengal. It is a matter of thankfulness that no voice against the process of broadcasting of All India Radio was raised from the land of Bengal. Very few people would know that in the year 1939, the broadcast of short web was started from the Calcutta center of All India Radio. At that time Nobel laureate Gurudev Rabindranath Tagore was asked for a message for radio. Then he sent a greeting message through a poem. The meaning of that poem called Akashvani is: From earth to sky / Distances measured / In waves of light... / Tongue reached east and west / Like the sun's rays / Reached the limits of heaven / The mind of man / The mind won Freedom of Even in the Prasar Bharati Act, it has been said to give the name All India Radio. The Prasar Bharati Act came into force from November 15, 1997, but call it bureaucratic anglicism or something else, the full use of the term Akashvani as a public radio broadcaster has gone unnoticed.

Viewpoint: Seventy-five years of Israel amid criticism and accusations

Israel is widely criticized and its current regime is accused of being fascist. But there is also a positive vision of Israeli identity, centered on the ideal of a rebuilt and renewed Jewish civilization, within which its citizens can find prosperity, a sense of purpose, and security. The Jewish nation of Israel turned 75 last Sunday, but most people were in a sour mood. This country is ruled by a coalition consisting of political extremists, homo-hating egoists, ideologically single-minded and simply corrupt people. A proposed judicial reform that set off major institutional checks on high-grade majoritarianism has not come to a complete halt in the face of one of the few major protests in Israel's history. Secular Israelis fear that the country's demographic balance may tilt towards religious extremists. Benjamin Netanyahu may not get an invitation from the White House. This doesn't seem to bother most American Jews, who are trying to understand the self-centered leadership of the prime minister. Even more remarkable, the Israelis endured five days of rocket attacks from the Gaza-based Iran-backed terrorist group Palestine Islamic Jihad. It is noteworthy that despite Israel's recent successes in normalizing diplomatic relations with parts of the Arab world, many of its neighbors still want it wiped off the map. And for all of this Israel is doing remarkably well. It helps to remember the circumstances in which this country was born. Israel is a post-colonial country. It began its national life in extreme poverty. Its counterpart group includes Syria, Pakistan, India, Indonesia, Myanmar, Sri Lanka and North and South Korea. These countries came into existence with some common problems – hostile neighbors, unstable borders, extreme poverty, restive ethnic and religious minorities and some unresolved dilemmas of their freedom struggle. But if Israelis haven't resolved conflicts with the Palestinians and other neighbors, they haven't let themselves be consumed by it either. Israel is not a country that defines itself by what it is against, what it is not, or what it has done. There is also a positive vision of Israeli identity, centered on the ideal of a rebuilt and renewed Jewish civilization, within which its citizens can find prosperity, a sense of purpose, and security. It is easy to appreciate how completely this vision has been realized. David Ben-Gurion defined normality when he said, 'When Jewish thieves and Jewish sex workers start doing their business in Hebrew, we will consider that we have become a normal country.' Israel got there long ago. On a trip to Israel last week, I just happened to look in an iPhone app to see where the rockets were landing — not much to worry about, as Iron Dome and David's Sling missile systems provide effective defense. If the success of a society can be measured by the speed at which miracles become mundane, then Israel is doing it right. In Jerusalem I visited a center of new immigrants, most of them in their 20s and 30s, who had come from Ethiopia, Argentina, France and Russia. In the year 2022, Israel will welcome approximately 75,000 newcomers. Nations that attract immigrants are successful. Countries that create the future, their own future is also saved. Israel's fertility rate is around three births per woman, which is much higher than India (2.05), the US (1.7) and South Korea (0.8). Israel's high birthrate correlates with strong economic growth. Last year, Israel's economy grew by 6.5 percent, compared to an average growth rate of 2.8 percent for developed countries. Israel now has a higher per capita GDP than Germany and attracts more foreign direct investment than Britain. How are the politics here? In a way, the debate over judicial reform was a near-death experience for Israeli democracy. On the other hand, it has been a stunning display of responsible civic activism, proof that in a polarized country the center can still hold out and arrogant leaders will have to bow to the demands of the people. As for the infamous political figures of Israel, to whom would they be compared? Sweden's ruling coalition rules 'in co-operation' with the far-right, xenophobic Sweden Democratic Party. No one thinks of Sweden or most other democracies as examples of political extremism with such unsightly faces. Elsewhere, when autocratic rulers come to power, they ban public protests, imprison or assassinate their political opponents, and impose a reign of terror. In contrast, a new insurgency erupts in Israel every week, while Netanyahu is accused of abusing his authority by trying to buy the media. If this is called Israeli fascism (a term Israeli leftists like to use), then Israelis should consider themselves lucky. Seventy-five years is a strange age at whichLuck is put to the test. When America reached this point, Millard Fillmore was the President. But for a country that is widely criticized and does not shy away from criticism of its own, the people of Israel have much to celebrate. So many post-colonial countries have dissolved, but Israel has not allowed itself to perish.

Then what is the point of election?

The public desire for change that was seen in Thailand's election, may not actually change. The country's power system is controlled by the Conservative ruling class. He does not like such a change even in the face, which he does not have a hand in bringing. General elections to the lower house of parliament were held in Thailand. But now there are apprehensions that the desire for change shown in the mandate may not actually come. The reason is that the ruling system of the country is controlled by the Conservative ruling class. Although the parties that get more support in the elections are also a part of this class, but it is not easy for them to implement their political promises. The Move Forward Party emerged as the largest party in the election, while the Payua Thai Party came second. The Move Forward Party is a new version of the Future Forward Party. Future Forward was banned. No one is ready to say with certainty that this will not happen with the new version. Allegations have been leveled from various quarters that Move Forward is distributing money to get votes. Because of this, the election results have not been formally announced on many seats. It has been told in a report that the Election Commission may take several months to settle the allegations.

The new government will be formed only after the announcement of all the election results. On the other hand, the leader of Move Forward, Father Limijaroenrat has also been accused of insulting the monarchy. Criticism of Thailand's monarchy is prohibited by law. Doing so can lead to 15 years of imprisonment. Such allegations are probably being leveled by those who want to maintain the status quo. Move Forward surprised everyone by winning a total of 151 seats in the 500-member lower house of parliament. Payua Thai Party came second. It is the party of former Prime Minister Taksin Shinawatra. Shinawatra was deported. Now his younger daughter Payetongtarn is the leader of this party.

Father is a graduate from Harvard University of America and his family has family relations with Thaksin Shinawatra. In this way, power has to remain confined around a few families. But it is possible that the ruling establishment may not like the change of face as well.

25 मई को एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन

मुरादाबाद- सहायक निदेशक सेवायोजन कमल किशोर ने बताया है कि बेरोजगार युवाओं को रोजगार प्रदान करने हेतु क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय एवं राजकीय आई0टी0आई, मुरादाबाद के संयुक्त प्रयास से दिनांक 25.05.2023 को प्रातः 10.00 बजे से क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, मुरादाबाद के कार्यालय परिसर में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें तकनीकी एवं गैर तकनीकी पदों पर भर्ती के लिए निजी क्षेत्र की कम्पनियों को आमंत्रित किया गया है। हाईस्कूल/इण्टर/स्नातक/आई0टी0आई0 उत्तीर्ण/कौशल विकास प्रमाण पत्र आदि योग्यताधारक अभ्यर्थी अपना सम्पूर्ण बायो डाटा दो प्रतियों में (हस्तलिखित अथवा टंकित), शैक्षिक प्रमाण पत्र(छाया प्रति दो सेट में) आधार कार्ड (छाया प्रति) एवं दो रंगीन फोटो सहित अभ्यर्थी शासन/प्रशासन द्वारा जारी कोविड-19 के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए रोजगार मेले में बने पंजीयन काउण्टरों पर उपस्थिति दर्ज कराते हुए रोजगार मेले में प्रतिभाग कर सकते है। उन्होंने बताया कि मेले में सम्मिलित होने के लिये सेवायोजन विभाग की पर पंजीकृत होना अनिवार्य है। जिन बेरोजगार अभ्यार्थियों ने अपनी योग्यतानुसार ऑनलाइन पंजीकरण करा लिया है, वह अपनी जॉब सीकर ऑई0डी0 एवं पासवर्ड का प्रयोग करके अपने जनपद में आयोजित होने वाले रोजगार मेलो में भाग लेने हेतु सेवायोजन पोर्टल पर अपनी धारित योग्यता के अनुरूप पदों के लिए, जो विभिन्न कम्पनियों ने अपलोड किया हुआ है, ऑनलाइन कम्पनी में आवेदन कर सम्मिलित हो सकते है। जिन्होंने पंजीकरण नहीं कराया है वह अपना पंजीकरण कराकर रोजगार मेले में सम्मिलित हो रही कम्पनियों में आनलाइन आवेदन करके रोजगार मेले में भाग ले सकते हैं।

हज यात्रा पर जाने वाले 1740 यात्रियों का हुआ टीकाकरण

मुरादाबाद- स्वास्थ्य विभाग ने 1740 हज यात्रियों को टीका लगाया। कुल 2702 यात्रियों का टीकाकरण किया जाना है।जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ सुनील दोहरे ने बताया कि हज यात्रा में जिले से 2702 यात्रियों का पंजीयन हुआ है।हज यात्रा पर जाने के लिए हज यात्रियों को स्वास्थ्य परीक्षण कराना तथा मेनिंजोकोकल मेनिनजाइटिस और इंफ्लुएंजा का टीका लगवाना बेहद जरूरी है साथ ही पोलियो वैक्सीन भी पिलाई जाती है। इसके साथ ही यात्रियों का रक्तचाप, मधुमेह और पूरा हेल्थ चेकअप किया गया है। 16 मई को कांठ, 17 मई को कुंदरकी और पाकबड़ा और 18 को ठाकुरद्वारा व मूढ़ापांडे में टीकाकरण का काम हो गया है। गुरुवार को शहर में मदरसा जामेउल हुदा, गलशहीद और डॉ. मुख्तयार असलम, मदरसा, नुरुल कुरान, चौराहा गुड़याबाग में प्रतिरक्षण का काम किया गया। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की ओर से हज यात्रा के दौरान संक्रमण के प्रसार को कम करने के लिए टीकाकरण की सिफारिश की जाती है। हज यात्रा में जाने वाले लोगों को कोविड वैक्सीन व अन्य टीकाकरण की जरूरत होती है।

प्लेटफार्म पर दो घंटे पड़ी रही लाश, बच्चे समझे सोए हैं पिता, सुबह से दोनों मासूम न हंसे और न ही रोए

मुरादाबाद-मासूम बच्चों में एक बेटा दो वर्ष व दूसरा तीन वर्ष का है। जब रेलवे की टीम वहां पहुंची तो दोनों पिता की लाश के पास अबोध खड़े थे। उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि उन्होंने क्या खो दिया है।रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर दो पर एक यात्री का शव बुधवार को मिला। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक शव 10 बजे से वहां पड़ा था। जबकि रेलवे की टीम 12 बजे के करीब पहुंची। मृतक के पास से दो बच्चे, दवाओं के कागज, एक बैग, खाने का थैला व आधार कार्ड मिला है। मासूम बच्चों में एक बेटा दो वर्ष व दूसरा तीन वर्ष का है। जब रेलवे की टीम वहां पहुंची तो दोनों पिता की लाश के पास अबोध खड़े थे। उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि उन्होंने क्या खो दिया है। रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर दो पर एक यात्री का शव बुधवार को मिला। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मृतक के आधार कार्ड में नाम सोनू निवासी अजमेरी गेट नई दिल्ली लिखा है। उसकी उम्र तकरीबन 45 वर्ष थी। इस जानकारी के आधार पर जीआरपी व रेलवे चाइल्ड लाइन की टीम को दिल्ली भेजा गया है, जिससे बच्चों व मृतक की जानकारी जुटाई जा सके। फिलहाल बच्चों को मेडिकल परीक्षण कराने के बाद रेलवे चाइल्ड लाइन को सौंप दिया गया है। मृतक सोनू के पास से मिले दवाओं के पर्चे से बीमारी से मौत का अनुमान लगाया जा रहा है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही इसकी पुष्टि हो सकेगी। जीआरपी ने शव का पंचनामा भरके पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। चाइल्ड लाइन के काउंसलर विनीत ने बताया कि दोनों बच्चे मम्मी-पापा के अलावा मुंह से एक शब्द नहीं निकाल रहे हैं। सुबह से दोनों न तो हंसे हैं और न ही रोए हैं। उन्होंने खाना भी नहीं खाया, चाइल्ड लाइन के स्वयंसेवकों काफी प्यार दुलार कर फल खरीदकर खिलाए। काउंसलर का कहना है कि अबोध बालक समझ नहीं पा रहे हैं कि हुआ क्या है। सीसीटीवी, पुलिस फिर भी सवाल... कहां से आई लाश- रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर कैमरे लगे हैं। हर प्लेटफार्म पर जीआरपी गश्त करती है, आरपीएफ के जवान भी तैनात रहते हैं। इसके बावजूद किसी को यह नहीं पता कि प्लेटफार्म पर लाश आई कहां से। मरने वाला व्यक्ति किसी ट्रेन से उतरा था या प्लेटफार्म पर कहीं से आकर बैठा, यह सवाल ही बना हुआ है।पुलिस- मरने वाला व्यक्ति किस ट्रेन से उतरा था अभी तक पुलिस को इस बात का जवाब भी नहीं मिल पाया है। इससे उलट इस बिंदु पर जांच की जा रही है कि कहीं यह व्यक्ति स्टेशन पर रहकर मांगने खाने वाले लोगों में से तो नहीं था। जबकि इस बिंदु पर कोई भी तथ्य फिट नहीं बैठता। व्यक्ति के पास से जो बैग मिला है, उसमें कपड़े हैं और एक टिफिन में खाने का सामान भी था। यह सब चीजें इस बात की ओर इशारा कर रही हैं कि व्यक्ति किसी ट्रेन में यात्रा कर रहा था और मुरादाबाद स्टेशन पर उतरा था। आरपीएफ व हमारे स्टाफ को सूचना मिली थी कि प्लेटफार्म नंबर दो पर एक व्यक्ति अचेत अवस्था में पड़ा है। जाकर देखा तो वह मृत पड़ा था, इसके बाद स्टेशन मास्टर को सूचना दी गई। स्टेशन मास्टर की ओर से मेमो तैयार किया गया, डॉक्टर को बुलाया गया। परीक्षण के बाद डॉक्टर ने व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया। इस कार्य में देर लग गई। तब तक बच्चों को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया गया था। शव मोर्चरी में रखवाया गया। -देवी दयाल, सीओ जीआरपी रेलवे स्टेशन पर व्यक्ति के मृत मिलने की सूचना संज्ञान में नहीं थी। डॉक्टर के पहुंचने में देरी क्यों हुई या रेलवे स्टाफ की ओर से सूचना देने में तो देरी नहीं की गई, इसका जवाब लेकर आगे की कार्रवाई की जाएगी। -अजय नंदन, डीआरएम

प्रेमी बना रहा था शादी का दबाव, छात्रा ने की आत्महत्या, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा

मुरादाबाद-सिविल लाइंस थाना पुलिस ने राजकीय पॉलिटेक्निक के छात्रावास में छात्रा के आत्महत्या करने के मामले का खुलासा कर दिया है। पुलिस को छात्रा के मोबाइल से सफलता मिली। छात्रा और कथित प्रेमी के बीच हुई वार्ता के आधार पर पुलिस ने आरोपी पीयूष गोले को गिरफ्तार कर जेल भेजा। जनपद संभल के हयातनगर थाना क्षेत्र के गांव कहरा कमंगर निवासी रविंद्र सिंह सिंचाई विभाग में कार्यरत हैं। उनकी बड़ी बेटी ज्योति (19) शहर के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के राजकीय महिला पॉलिटेक्निक में मैकेनिकल ट्रेड में द्वितीय वर्ष की छात्रा थी। वह कैंपस में बने हास्टल में ही रहती थी। 13 मई की रात में उसने फंदे से झूलकर आत्महत्या कर ली थी। छात्रा की मां मिथलेश ने इस मामले में शिक्षक आरिफ और छात्र प्रवीण के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की थी। बुधवार को पुलिस लाइन में हुई प्रेसवार्ता में एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में लाइनपार निवासी पीयूष गोले को गिरफ्तार किया है। पीयूष ने बताया कि वह और ज्योति पॉलिटेक्निक मैकेनिकल ट्रेड में एक साथ पढ़ते थे। एक साल पहले दोनों की दोस्ती हुई थी। फिर प्रेम प्रसंग हो गया। आरोपी ज्योति से शादी करना चाहता था, लेकिन छात्रा के परिवारवाले राजी नहीं थे। इस कारण दोनों में कई बार झगड़ा भी हुआ। जिससे क्षुब्ध होकर छात्रा ने आत्महत्या कर ली। एसपी सिटी ने बताया कि मोबाइल में पीयूष और छात्रा की बातचीत की रिकार्डिंग भी मिली है। जिसमें आरोपी अपनी शादी कहीं ओर होने की बात कह रहा था। इसी से खफा होकर छात्रा ने आत्महत्या कर ली। यही नहीं छात्रा ने आत्महत्या से पूर्व पीयूष को वीडियो काल की थी। एसपी सिटी ने बताया पकड़े गए आरोपी से मोबाइल फोन भी मिला है।

स्वास्थ्य कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन बहाली सहित कई मांगों को लेकर किया धरना-प्रदर्शन

मुरादाबाद- कर्मचारी शिक्षक संयुक्त मोर्चा की ओर से पुरानी पेंशन बहाली सहित अन्य कई मांगों को लेकर जिला अस्पताल परिसर में धरना प्रदर्शन किया गया। जिला अस्पताल में स्वास्थ्य विभाग के फार्मासिस्ट, स्टाफ नर्स पैरामेडिकल कर्मचारियों आदि ने विभाग से जुड़े कर्मचारियों ने हाथों में पोस्टर बैनर धरना दिया। प्रदेश सरकार का कर्मचारियों की समस्याओं की तरफ़ ध्यान आकर्षित करने के लिए किया आंदोलन को और तेज करने का आह्वान पदाधिकारियों ने किया। अध्यक्ष संदीप बडोला ने कहा कि सरकार ने कर्मचारियों की समस्या का समाधान नहीं किया तो प्रदेश के सभी राज्य कर्मचारी संगठन सड़क पर उतरने के लिए मजबूर होंगे और आवश्यक सेवाओं को ठप कर आंदोलन करेंगे। इस दौरान हेमंत चौधरी सहित स्टाफ नर्स और अन्य स्वास्थ्य कर्मचारी मौजूद रहे।

प्यार में दीवानी युवती: परिजनों को बेहोश कर गैर समुदाय के युवक संग भागी, रास्ते में लड़कों की हरकत से खुली पोल

मुरादाबाद-मामला हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव का है। यहां किसान की करीब 20 वर्षीय बेटी का गांव के ही गैर संप्रदाय के युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। लड़की दूध में नशे की गोलियां माता, पिता, भाई, बहन को पिलाकर फरार हो गई। अमरोहा के हसनपुर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां युवती ने परिजनों को दूध में नशे की गोलियां खिलाकर बेहोश कर दिया और गैर समुदाय के प्रेमी के साथ चली गई। इस दौरान युवक ने अपने दो दोस्तों को भी बुला लिया। लड़के युवती से छेड़खानी करते हुए चल रहे थे। ये देख राहगीरों को शक हुआ और सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने युवती और युवकों को पकड़ लिया। जिससे पूरा किस्सा खुल गया। मामला हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव का है। यहां किसान की करीब 20 वर्षीय बेटी का गांव के ही गैर संप्रदाय के युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। मंगलवार रात को युवती ने दूध में नशे की गोलियां घोल कर माता, पिता, भाई, बहन को पिला दीं। जिसके बाद परिजन गहरी नींद में सो गए। उनकी बेहोशी का फायदा उठाते हुए रात करीब 12:00 बजे युवती प्रेमी के साथ चली गई। हसनपुर में रहरा अड्डे पर युवक ने अपने दो साथियों को फोन करके बुला लिया। वह कहीं दूर जाने की योजना बना रहे थे। इस दौरान प्रेमी के दोस्तों ने युवती से छेड़खानी शुरू कर दी। जिसका युवती ने विरोध किया तो वहां से गुजर रहे कुछ लोगों को शक हुआ। उन्होंने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस चारों को थाने ले गई। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सुशील कुमार वर्मा का कहना है कि युवती को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया है जबकि आरोपियों का शांति भंग में चालान किया गया है।

पति ने फोन पर दिया तलाक, ससुरालियों ने विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाला

मुरादाबाद-मैनाठेर थाना क्षेत्र के अंतर्गत पति ने विवाहिता को फोन पर तीन तलाक दे दिया और उसके ससुरालियों ने उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया। पीड़िता ने थाने में मदद की गुहार लगाई है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर पति व अन्य ससुरालियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच करना शुरू कर दी है। थाना मैनाठेर क्षेत्र निवासी महिला का निकाह 29 जून 2020 को हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर थाना क्षेत्र के बदरखा निवासी युवक से हुआ था। महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि निकाह के बाद से पति, सास-ससुर, देवर, ननद और नंदोई दहेज की मांग करने लगे। मांग पूरी न होने पर प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। महिला के अनुसार पति सऊदी में काम करता है। उसकी गैरमौजूदगी में देवर ने कई बार अश्लील हरकतें ओर छेड़छाड़ किया। आरोप है कि बीते 21 अप्रैल 2023 को देवर ने उसके कमरे में घुसकर अश्लील हरकतें कीं। इसकी शिकायत ससुराल वालों से की तो सभी ने महिला को बंधक बनाकर उसके साथ मारपीट की। इतना ही नहीं सउदी में बैठे पति ने फोन कर महिला को धमकाया और तीन तलाक दे दिया। जबकि ससुरालियों ने विवाहिता के साथ मारपीट कर घर से निकाल दिया।

प्रदेश में मुरादाबाद की हवा सबसे अधिक दूषित

मुरादाबाद- रेगिस्तानी हवाओं ने मुरादाबाद की सेहत खराब कर दी है। चिलचिलाती धूप के बीच बुधवार को आसमान में धुंध छाने से लोगों को परेशानी हुई। मरीज और अधिक उम्र के लोगों ने सांस लेने में दिक्कत का आभास किया। आंखों में जलन से लोग परेशान दिखे। सूरज की रोशनी के बदलते मानक से लोगों की दिनचर्या प्रभावित हुई। सुबह ही महानगर में हवा की गुणवत्ता खराब स्थिति में चली गई। शाम तक यह क्रम जारी रहा। शहर की एक्यूआई येलो जोन में होने से मौसम विज्ञानी हैरान रहे। सच तो यह है कि मौसम का यह स्वरूप दो दिनों से बना हुआ है। चारों तरफ धुंध छा रही है। हवा में धूल के महीन कणों के मिले होने की वजह से कामगार और खेती किसानी से जुड़े लोग परेशानी में देखे गए। जबकि मौसम विज्ञान विभाग के हवा मापक यंत्र पर मुरादाबाद की हवा काफी खतरनाक स्थिति में पाई गई। बरेली, हापुड़ और आसपास के जिले मुरादाबाद से कम प्रदूषित हैं। जानकार इसके पीछे औद्योगिक इकाइयों में मानकों की अनदेखी को भी जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। जबकि पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण विभाग के जिम्मेदार इस हाल के लिए वाहन जनित प्रदूषण को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। प्रदूषण नियंत्रण विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी विकास मिश्र कहते हैं कि राजस्थान की ओर से आने वाली हवा की वजह से मौसम खराब हुआ है। यहां उद्योग जनित कोई बात नहीं है। मौसम विभाग की भविष्यवाणी है कि गुरुवार को तेज हवा चलेगी। उत्तर से पश्चिम की ओर चलने वाली हवा से वातावरण में गर्मी रहेगी। 13 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवा चलेगी। अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 23 डिग्री रहेगा। धूप तेज रहेगी और मौसम की आर्द्रता 10 से 26 प्रतिशत रहेगी। रेगिस्तान की ओर से चलने वाली हवा की वजह से मौसम में धुंध छाई हुई है। यह स्थिति भौगोलिक बनावट, उद्योग और वाहन जनित धुआं की वजह से बनी हुई है। उत्तर भारत के हर क्षेत्र में धुंध की स्थिति बनी हुई है। हरियाणा, दिल्ली, यूपी से लेकर बंगाल तक मौसम एक जैसा ही है। रेगिस्तान की गर्मी की वजह से बवंडर बन रहे हैं। धुंध की वजह से सूरज की किरणें भी कमजोर सी दिख रही हैं। लोगों को सांस लेने में भी दिक्कत हो रही है। यह स्थिति अभी जारी रहेगी। जब तक मानसून नहीं आ जाता, तब तक आसमान में धुंध छाई रहेगी। मुरादाबाद औद्योगिक कारणों से भी प्रदूषण की चपेट में है। जब हवा की गुणवत्ता का मानक 40 से 45 एक्यूआई के भीतर रहेगा तो मानव जीवन को खतरा नहीं रहेगा। इससे अधिक दूषित हवा मानव जीवन के लिए समस्या है।- डा.श्याम सिंह, प्रवक्ता भूगोल विभाग (हिंदू कालेज)

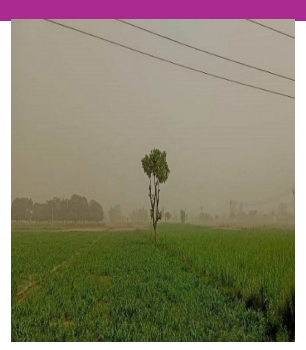

शहर	एक्यूआई
मुरादाबाद	174
हापुड़	158
बरेली	142
कानपुर	121
गोरखपुर	115
फिरोजाबाद	099
वाराणसी	096
आगरा	083
प्रयागराज	080

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा इनसे उत्पन्न समस्त

विद्यालयों में निरीक्षण में अव्यवस्थाएं मिलने पर बीएसए संजय सिंह ने दो प्रधानाध्यापकों से स्पष्टीकरण मांगा

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- एटा,ब्लॉक जैथरा क्षेत्र के विद्यालयों में निरीक्षण में अव्यवस्थाएं मिलने पर बीएसए संजय सिंह ने दो प्रधानाध्यापकों से स्पष्टीकरण मांगा है। एक बंद मिले स्कूल के पूरे स्टाफ और निरीक्षण में अनुपस्थित मिले शिक्षक-शिक्षकाओं का वेतन रोकने के निर्देश दिये हैं। बुधवार को बीएसए ने कंपोजिट विद्यालय जैथरा का निरीक्षण किया। निरीक्षण में पाया कि कंपोजिट ग्रांट की धनराशि के व्यय का रजिस्टर नहीं बनाया गया है, जिस पर प्रधानाध्यापक को नोटिस दिया गया है। प्राथमिक विद्यालय मंगरेसर में मीनू के अनुसार एमडीएम न बनने पर प्रधानाध्यापकों को नोटिस जारी कर दो दिन में स्पष्टीकरण को निर्देश दिए हैं। निरीक्षण में बीएसए ने प्राथमिक विद्यालय नगला भूड बंद मिला। बंद विद्यालय के पूरे स्टाफ का अग्रिम आदेशों तक वेतन रोकने के निर्देश दिये हैं।

साथ ही दो दिन में स्पष्टीकरण देने को निर्देशित किया गया है। उच्च प्राथमिक विद्यालय खिरियानगर शाह के निरीक्षण में स्टाफ उपस्थित मिला। स्कूल का शैक्षिक वातावरण अच्छा और कायाकल्प ऑपरेशन कार्य पूर्ण मिले। प्राथमिक विद्यालय खिरिया नगरशाह में निरीक्षण के समय दो शिक्षक उपस्थित मिले। शिक्षामित्र वीनू और सुमन अनुपस्थित मिली। बीएसए ने दोनों का मानदेय काटने के निर्देश दिये हैं। विद्यालय में नामांकित 85 के सापेक्ष 56 बच्चे उपस्थित मिले। स्कूल का शैक्षिक वातावरण अच्छा मिला।

राकेश का दवा भाजपा सन 2024 के लोकसभा के चुनावों में एक बहुत बड़ा इतिहास रचेगी

लवकुश ठाकुर
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- भाजपा किसान मोर्चा कि पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा सेक्टर प्रभारी सिंधौली ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने कहा है कि नगर निगम के चुनावों में विरोधी दलों के नेताओं को जनता ने खुलकर सबक सिखाया है उन्होंने कहा है कि जनता ने यूपी में नगर निगम के चुनावों में भाजपा का खुलकर समर्थन दिया है अच्छा जनादेश दिया है भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने साफ कहा कि सन 2024 के लोकसभा के चुनावों में भाजपा को जिताने के लिए जनता तैयार बैठी है और जनता ने मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए पूरी तरह से मन बना लिया है उन्होंने यह भी कहा है कि यूपी में लोकसभा की सीट 80 में 80 सीट जीतकर भारतीय जनता पार्टी एक नया इतिहास रचेगी मोदी जी की योगी जी की लोकप्रियता दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है भाजपा का जनाधार तीव्र गति से आगे बढ़ता जा रहा है जैसे आंधी चल रही हो भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने यह भी कहा है कि केंद्र एवं उत्तर प्रदेश सरकार ने जो योजनाएं फायदे वाली जनता को दिए हैं उसका लाभ पूरा जनता को बराबर मिल रहा है जनता मोदी योगी जी की योजनाओं से काफी खुश हैं जितना लाभ मोदी योगी जी की सरकार में जनता को मिल रहा है इतना बड़ा लाभ पिछली विरोधी दलों के नेताओं की सरकारों में नहीं मिला था भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने साफ कहा है कि सन 2024 के लोकसभा के चुनावों में पूरे देश में भाजपा एक बहुत बड़ा इतिहास रचेगी उसे कोई सोच नहीं सकता

ज्ञापन सीएम योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश सरकार के नाम ADM प्रशासन कों सौंपा

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-एटा उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारिओं ने एक ज्ञापन सीएम योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश सरकार के नाम ADM प्रशासन कों सौंपा, सीएम के नाम सौपे गए ज्ञापन के माध्यम से एटा उद्योग व्यापार मंडल एटा के पाधिकारियो ने किया अनुरोध, जीएसटी विभाग द्वारा दिनांक 16-5-2023 से 15-7-2023 तक चलने वाले सर्वे ,छापे आदि के अभियान को व्यापारी एवम व्यापार हित में तत्काल प्रभाव से रोक दिया जाए-अध्यक्ष अतुल राठी जीएसटी विभाग द्वारा जारी दिनांक 16-5-2023 से 15-7-2023 तक चलने वाले सर्वे , छापे आदि की कार्यवाही के शासनादेश को पढ़कर समस्त व्यापारी समाज में भय का वातावरण व्याप्त हो गया-अध्यक्ष अतुल राठी व्यापारी समाज अपने ऊपर अनावश्यक कार्यवाही एवम शोषण आदि के भय से काफी भयभीत है-अध्यक्ष अतुल राठी पूर्व में भी जीएसटी विभाग द्वारा सर्वे ,छापे आदि की ऐसी ही कार्यवाही की गई थी

जिससे व्यापारी समाज काफी भयभीत हो गया था-अध्यक्ष अतुल राठी व्यापारी समाज में व्याप्त भय को समाप्त करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री द्वारा पूर्व में भी एक स्थगन आदेश पारित किया गया था-अध्यक्ष अतुल राठी व्यापारी समाज देश की आर्थिक प्रगति का मूल आधार है अतः व्यापारी की सुरक्षा राष्ट्र की सुरक्षा है-अध्यक्ष अतुल राठी ज्ञापन सौंपने वाले व्यापार मंडल पदाधिकारी एवं व्यापारी सदस्यों में मुख्यरूप से अशोक सर्राफ , कल्लू मियां , प्रदीप गुप्ता , राकेश वार्ष्णेय चिकोरी वाले, राकेश वार्ष्णेय आर के ज्वैलर्स ,अध्यक्ष अतुल राठी, डेविड जैन , कैलाश जैन , अमित गुप्ता , आदेश कुमार गुप्ता , संजीव कुमार जैन ,प्रसून वार्ष्णेय , गणेश वार्ष्णेय , संजीव वार्ष्णेय , प्रवेश मिश्रा ,उमेश प्रताप सिंह , चंद्रमोहन वार्ष्णेय , धर्मवीर गहलोत ,पंकज गुप्ता , साबिर मियां, विनायक गुप्ता ,आनंद सर्राफ , दीपक जैन ,राजीव जैन ,दीपक वार्ष्णेय , नेवी जैन , गोपाल वार्ष्णेय ,पुष्पेंद्र वार्ष्णेय ,सतीश वार्ष्णेय समेत अन्य पदाधिकारी एवं व्यापारी सदस्य मौजूद रहे

चोर सक्रिय पुलिस निष्क्रिय

लवकुश ठाकुर
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- अकराबाद कस्बा से बीती रात अज्ञात चोर एक व्यक्ति के घर के बाहर गली में खड़ी कार को चोरी कर ले गए। जिसकी शिकायत पीड़ित ने पुलिस से की है। कस्बा अकराबाद के मोहल्ला मौर्य निवासी रिऋव कुमार पुत्र नरसिंह पाल का कहना है कि उसकी ईको कार घर के बाहर गली में खड़ी थी। जिसे रात में किसी समय अज्ञात चोर चोरी करके ले गए हैं। काफी तलाश करने के बाद भी कहीं कार का कहीं पता नहीं चल पाया है। उसके बाद पीड़ित कार स्वामी ने कार चोरी होने की तहरीर थाने में देकर पुलिस से मदद की गुहार लगाई है।

गैंगस्टर कोर्ट ने खारिज की जुगेंद्र सिंह की जमानत अर्जी

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- एटा। कोतवाली नगर में दर्ज गैंगस्टर के मामले में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सपा नेता जुगेंद्र सिंह यादव की जमानत अर्जी को प्रभारी विशेष न्यायाधीश गैंगेस्टर एक्ट ने खारिज कर दिया।अदालत में पेश हुई जमानत अर्जी का विरोध करते हुए विशेष लोक अभियोजक रक्षपाल सिंह शाक्य एवं अरुण कुमार माहेश्वरी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ विभिन्न थानों में करीब 86 मुकदमे पंजीकृत हैं। वह अपने भाई पूर्व विधायक रामेश्वर सिंह के गैंग के सक्रिय सदस्य के रूप में लोगों की जमीनों पर कब्जे करके अवैध रूप से धनार्जन करते हैं। उनके खौफ के चलते लोग गवाही देने नहीं आते। ऐसे में अगर आरोपी को जमानत पर छोड़ा गया तो वह गवाहों को धमकाएंगे और भय पैदा करेंगे। जमानत की शर्तों का उल्लंघन करके विचारण में सहयोग नहीं करेंगे। प्रभारी विशेष न्यायाधीश ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद जमानत अर्जी को खारिज कर दिया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से पिता पुत्र घायल

लवकुश ठाकुर
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- अकराबादथाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे स्थित टोल प्लाजा के पास बाइक सवार पिता-पुत्र में किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए सीएचसी भेजा है। कस्बा अकराबाद निवासी नवाब पुत्र छिद्दू खां अपने बेटे सलमान के साथ बाइक द्वारा गोपी की ओर से अकराबाद आ रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक नेशनल हाईवे स्थित टोल प्लाजा के पास पहुंची तभी अज्ञात वाहन उनकी बाइक में टक्कर मार कर भाग गया। वाहन की टक्कर लगने से बाइक सवार पिता-पुत्र दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा होते ही मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना पाकर इंस्पेक्टर एमपी सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। जहां से पुलिस ने दोनों घायलों को एंबुलेंस द्वारा गंभीर हालत में सीएचसी भेजा है। जहां डाक्टरों ने दोनों घायलों की हालत चिंताजनक देख सीएचसी जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

ब्रज प्रांत दुर्गा वाहिनी शौर्य प्रशिक्षण वर्ग 2023 का आयोजन21 मई से

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-विश्व हिन्दू परिषद एटा विभाग के विभागाध्यक्ष अरविन्द सिंह चौहान ने बताया कि विश्व हिन्दू परिषद, ब्रज प्रांत दुर्गा वाहिनी शौर्य प्रशिक्षण वर्ग 2023 का आयोजन राव महेंद्र पाल सिंह सरस्वती शिशु मंदिर बिलराम गेट कासगंज में 21 मई 2023 से 29 मई 2023 तक किया जा रहा है।जिसमें दुर्गा वाहिनी हिन्दू समाज की बहनों को सशक्त एवं संस्कारित करने के लिए संकल्पित है। हिन्दू युवतियों का शारीरिक मानसिक एवं शैक्षिक विकास हेतु पिछले कई वर्षों से शौर्य प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन होता आया है शौर्य प्रशिक्षण वर्ग एक शौर्य साधना है आज्ञा पालन और अनुशासन ही इसका आधार है। श्री चौहान ने कहा कि मेरा सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं तथा हिन्दू भाईयों से भी अनुरोध है कि अपने-अपने क्षेत्रों में बहनों को ज्यादा से ज्यादा दुर्गा वाहिनी का प्रशिक्षण वर्ग कराएं

इस वर्ग में 14 से 35 वर्ष की बहने जा सकेंगी। प्रशिक्षण से मानसिक शारीरिक व बौद्धिक विकास होगा जिससे हमारी हिन्दू बहिनें सशक्त बनेगी तथा हिन्दू समाज भी सशक्त बनेगा।

परिवार परामर्श केंद्र ने कराया बिछुडे दम्पति का पुर्नमिलन

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उदय शंकर के निर्देशन में महिला थाना कैंपस नारी उत्थान आज आपसी मतभेद के कारण टूटने की कगार पर एक खड़े परिवार को समझा कर फिर से एक साथ रहने के लिए राजी किया गया। जिसमें वादी श्रीमती सरिता पुत्री शांति स्वरूप निवासी ग्राम गाजीपुर पहोर थाना कोतवाली देहात व प्रतिवादी अर्जुन पुत्र मोहर सिंह निवासी ग्राम चिरगवां थाना जलेसर रहे !आपसी मतभेदों के कारण परिवार परामर्श केंद्र में पत्रावली प्रचलित है दोनों परिवारों को परिवार परामर्श केंद्र में काउंसलिंग कर समझाया गया दोनों अपनी पिछली गलतियों को मानते हुए साथ रहने के लिए राजी हुए आज की बैठक में प्रभारी ब्रह्मवती , निरीक्षक बेगराम सिंह , काउंसलर डॉ निरुपमा वर्मा, सीमा मल्होत्रा पुलिस स्टाफ हेड कॉन्स्टेबल मिथलेश पूजा मौजूद रहे।

माल निस्तारण हेतु चलाये जा रहे अभियान

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-शासन की मंशानुरूप माल निस्तारण हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना जैथरा पुलिस द्वारा किया गया माल मुकदमती वाहनों का निस्तारण। शासन की मंशानुरूप माल निस्तारण हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा श्री उदय शंकर सिंह के कुशल निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक श्री धनंजय सिंह कुशवाहा एव अपर पुलिस अधीक्षक (अपराध) श्री विनोद कुमार पाण्डेय के निकट पर्यवेक्षण में आज दिनांक 17.05.2023 को थाना जैथरा एटा पर क्षेत्राधिकारी अलीगंज श्री सुधांशू शेखर एंवम तहसीलदार अलीगंज श्री राकेश कुमार व प्रभारी निरीक्षक थाना जैथरा के नेतृत्व में कुल 05 वाहनो (1 मोटरसाईकिल,02 श्री व्हीलर ,01 कार, 01 छोटा हाथी)* की नीलामी करायी गयी । वाहनो को नीलामी के दौरान 77100/= रुपये (77 हजार 100 रुपए मात्र) में बालाजी स्पेयर्स के मालिक श्री राहुल गुप्ता पुत्र श्री सुनील कुमार जैथरा एटा ने सर्वोच्य बोली लगाकर वाहनो को खरीद लिया गया है ।

नीलामी की समस्त प्रक्रिया की वीडियोग्राफी व फोटोग्राफी भी करवाई गई। नीलामी से प्राप्त धन को नियमानुसार राजकोष में जमा कराया जायेगा ।

लूट की सूचना पर भागती हुई पहुंची पुलिस, मौके पर जो मिला उसे देख पकड़ लिया माथा

निशाकांत शर्मा-क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-दिनदहाड़े एक लाख लूट की सूचना पर भागती हुई पहुंची पुलिस, मौके पर जो मिला उसे देख पकड़ लिया माथा एटा में बुधवार को एक युवक ने पुलिस को फोन किया। बताया कि उसके साथ एक लाख रुपये की लूट हो गई है। दिनदहाड़े लूट की खबर सुनकर पुलिस के होश उड़ गए। वह भागती हुई मौके पर पहुंची। मौक पर पहुंचकर फोन करने वाले युवक को ढूंढा और जानकारी ली तो जो पता चला उसके बाद पुलिस माथे पर हाथ रखकर वहीं बैठ गई। मामला कोतवाली देहात क्षेत्र के कासगंज रोड स्थित फ्लाई ओवर के पास का है। थानाध्यक्ष अजब सिंह ने बताया कि बुधवार की शाम करीब चार बजे निधौली कलां थाना क्षेत्र के रामपुर गांव निवासी विनय कुमार की पत्नी ने उसकी पिटाई कर दी। इस पर विनय ने एक लाख रुपये की लूट होने की झूठी सूचना पुलिस को दे दी। पत्नी ने भाइयों के साथ मिलकर पीटा- पुलिस पहुंची तो पूछताछ में सामने आया कि युवक का पत्नी खुशबू पुत्री सुनील कुमार निवासी मिरहची से तलाक का मामला अदालत में विचाराधीन है। बृहस्पतिवार को महिला अपने भाई व अन्य परिजन के साथ कहीं से लौट रही थी। तभी उनको विनय मिल गया। उसे रोककर पिटाई कर दी गई। लूट की गलत सूचना दी गई पुलिस को जल्दी मौके पर बुलाने के लिए विनय ने झूठी सूचना दी। बाद में युवक को हिदायत देकर घर जाने दिया। इससे पहले लूट की सूचना मिलने पर पूरे जिला की पुलिस को अलर्ट करना पड़ा। एएसपी धनंजय सिंह कुशवाहा ने बताया कि पूछताछ में सामने आया

श्रावस्ती महोत्सव की तैयारियां जोरो पर 22 से 24 मई, 2023 के मध्य श्रावस्ती महोत्सव का होगा आयोजन

प्रेमचंद जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती -जनपद की स्थापना 22 मई, 1997 को हुआ था। स्थापना दिवस के अवसर पर इस बार जिलाधिकारी नेहा प्रकाश के नेतृत्व में 22 से 24 मई, 2023 के मध्य ''श्रावस्ती महोत्सव'' का आयोजन जिला पंचायत कार्यालय के समीप मैदान में किया जाना प्रस्तावित हुआ है। श्रावस्ती महोत्सव कार्यक्रम की तैयारी को अन्तिम रूप देने के उद्देश्य से जिलाधिकारी द्वारा कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया गया तथा सभी तैयारियों को युद्धस्तर पर पूरा किये जाने हेतु निर्देशित किया। जिलाधिकारी द्वारा परिसर एवं आसपास के क्षेत्र की पूरी साफ-सफाई के निर्देश देते हुए महोत्सव की अवधि में प्रकाश व्यवस्था, वाहन की पार्किंग, शौंचालय, कूड़े के निस्तारण के साथ ही अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया। श्रावस्ती महोत्सव में तैयारी को लेकर अधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी जा रही है, उसे दायित्व बोध के साथ निर्वहन कर कार्यक्रम को सफल बनाये जाने का भी निर्देश दिया है।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) डी0पी0 सिंह, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) सुभाष चन्द्र यादव, अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार यादव, अधिशाषी अभियन्ता विद्युत, सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग, अवर अभियंता नीरज, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद भिनगा के प्रतिनिधि, महोत्सव तैयारी की जिम्मेदारी देख रहे संदीप सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

बसपा की समीक्षा बैठक: मायावती ने दिए निर्देश, वोट हमारा राज तुम्हारा नहीं चलेगा अभियान गांव-गांव चलाएं

लखनऊ में पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं के साथ की गई समीक्षा बैठक में बसपा सुप्रीमो मायावती ने कार्यकर्ताओं से लोकसभा चुनाव में जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को वोट हमारा राज तुम्हारा नहीं चलेगा अभियान गांव-गांव चलाने का निर्देश दिया।यूपी निकाय चुनाव में करारी हार के बाद बसपा सुप्रीमो मायावती ने गुरुवार को लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय पर सभी छोटे बड़े पदाधिकारियों की बैठक की। उन्होंने कहा कि वोट हमारा राज तुम्हारा नहीं चलेगा का अभियान गांव-गांव तेजी के साथ चलाया जाए। स्टेट कमेटी और सभी 18 मंडलों में जिलों के पदाधिकारियों की बैठक लेते हुए मायावती ने कहा कि अब लोकसभा चुनाव की तैयारियों में मिशनरी लक्ष्य के साथ लगन से जुट जाना है।उन्होंने निकाय चुनाव की जिलेवार समीक्षा की और फीडबैक लिया। कहा कि चुनाव में भाजपा और समाजवादी पार्टी ने साम दाम दंड भेद जैसे घिनौने हथकंडे अपनाये। भाजपा ने सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करते हुए दमन की कार्रवाई की। वोटर लिस्ट में गड़बड़ी की शिकायत रही।

उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र एवं भविष्य के लिए बेहद दुखद है। इसका जवाब लोकसभा चुनाव में जनता देगी। निकाय चुनाव में लोगों की आपसी गुटबाजी, रंजिश और मनमुटाव तथा चुनाव में टिकट नहीं मिल पाने आदि के कारण हालात थोड़े दिन अलग जरूर रहते हैं। इसे आगे ध्यान में रखकर संगठन को मजबूत किया जाए। भाजपा ने कहा कि चाहे जो भी दावा करे लेकिन वास्तविकता यह है कि ओबीसी आरक्षण तथा महिला सीटों के आरक्षण समेत शुरू से लेकर अंत तक निकाय चुनाव को हर तरह से मैनेज व मैनिपुलेट किया गया। बावजूद इसके मेयर चुनाव को छोड़कर भाजपा की दाल लोगों ने बहुत ज्यादा नहीं गलने दी। मायावती ने कहा कि मेयर का चुनाव भी यदि ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से होता तो परिणाम कुछ और होते। उन्होंने कहा कि आगरा और सहारनपुर के मेयर चुनाव में बसपा को घिनौना षड्यंत्र करके हरा दिया गया। उन्होंने कहा की पार्टी कार्यकर्ता चुनावी खर्च के लिए पार्टी को आर्थिक रूप से मजबूत रखने को कभी ना भूलें।

गोरखपुर माफिया अजीत शाही ने कोर्ट में किया सरेंडर, कर चुके हैं बड़े-बड़े कांड

गोरखपुर का 25 हजार रुपये का इनामी माफिया अजीत शाही ने गुरुवार को कोर्ट में सरेंडर कर दिया। पुलिस और एसटीएफ को उसकी तलाश कई दिनों से थी। बता दें कि बुधवार को एसएसपी ने इनाम की राशि बढ़ाने के लिए आईजी के पास फाइल भेज दी थी। माफिया अजीत शाही का गैंग डी-4, वर्ष 2010 में पुलिस में रजिस्टर्ड है। माफिया के ऊपर पहला केस 1991 में मारपीट और धमकी का दर्ज हुआ था। उसके बाद शहर के कैंट, खोराबार, शाहपुर, गुलरिहा, गोरखनाथ और खामपार दिवरिया मिलाकर कुल 33 मुकदमें दर्ज हैं। अंतिम मुकदमा वर्ष 2016 में खोराबार थाने में दर्ज हुआ था।

इन मुकदमों में से कई में माफिया अजीत शाही कोर्ट से बरी भी हो चुका है। माफिया अजीत शाही का गैंग डी-4, वर्ष 2010 में पुलिस में रजिस्टर्ड है। माफिया के ऊपर पहला केस 1991 में मारपीट और धमकी का दर्ज हुआ था। उसके बाद शहर के कैंट, खोराबार, शाहपुर, गुलरिहा, गोरखनाथ और खामपार दिवरिया मिलाकर कुल 33 मुकदमें दर्ज हैं। अंतिम मुकदमा वर्ष 2016 में खोराबार थाने में दर्ज हुआ था। इन मुकदमों में से कई में माफिया अजीत शाही कोर्ट से बरी भी हो चुका है। रेलवे कोऑपरेटिव बैंक में तीन मई को हुए विवाद के मामले में 12 मई को समझौता करने गए माफिया अजीत शाही व अन्य लोगों पर बैंक के सहायक सचिव धीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बैंक के अन्य कर्मचारियों के साथ मिलकर धमकी सहित अन्य धाराओं में शाहपुर थाने में केस दर्ज कराया है। कर्मचारियों ने कोआपरेटिव बैंक के अध्यक्ष अनिल सिंह विशेन को पूरी घटना का मास्टर माइंड बताया था और अनिल सिंह द्वारा ही अजीत शाही को बुलाने की बात कही गई थी। एसएसपी ने अजीत शाही पर 25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया है। अब इनाम राशि को 50 हजार रुपये करने के लिए बुधवार को एसएसपी ने आईजी के पास फाइल भेज दी है।

बेसिक शिक्षा मंत्री का शिक्षकों ने किया स्वागत-सम्मान

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- बेसिक शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश शासन, संदीप सिंह गुरूवार को समीक्षा मीटिंग में सम्मिलित होने पहुंचे, जहां लखनऊ से आते समय नवदिया झादा में जिलाध्यक्ष नरेश गंगवार और मांडलिक मंत्री के0 सी 0पटेल के नेतृत्व में सैकड़ों शिक्षकों के साथ भव्य स्वागत किया।स्वागत करने वाले शिक्षक देशबंधु गंगवार, ऋषि पाल सिंह, होतम सिंह, राजीव लोचन शर्मा, मोहम्मद यूनुस, ओमेंद्र पाल सिंह, देश राज, प्रिय दर्शन पाराशरी, देवेन्द्र कुमार डेविड, अजित कुमार, रवीन्द्र सिंह, अनिल गंगवार, अमित पटेल, प्रताप सिंह, मधु सिंघल, शिखा अग्रवाल, जय देव सागर, प्रदीप पुष्कर, रामकिशोर, सुषमा गंगवार,ममता सिंह, चेतना शुक्ला, मंदीप कौर, सौरभ सहाय, तस्कीन जहां, उमा रानी, डी पी सिंह, आशा शर्मा,गजेंद्र पाल सिंह, फराह नरगिस, के0 पी 0सिंह, नीलम रवि, छत्रपाल सिंह,नंदिता सजल, महेंद्र यादव, राम प्रकाश, नरेश कुमार, बीरेन्द्र तोमर, रुपिंदर राठौर आदि मौजूद रहे। जिलाध्यक्ष ने पदोन्नति, स्थानांतरण, की प्रक्रिया को तेज करने और जल्द कराने की मांग रखी ।

ज्ञानवापी मस्जिद मामले में मुस्लिम पक्ष की याचिका पर होगी सुनवाई, हाईकोर्ट के आदेश को दी गई है चुनौती

हाईकोर्ट ने वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में कथित तौर पर मिले 'शिवलिंग' का वैज्ञानिक सर्वेक्षण कराने का आदेश दिया गया है। इस सर्वेक्षण में शिवलिंग की उम्र निर्धारित करने वाली 'कार्बन डेटिंग' तकनीक भी शामिल है। सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की उस याचिका पर सुनवाई के लिए हामी भर दी, जिसमें इलाहबाद हाईकोर्ट के वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में मिले शिवलिंग के वैज्ञानिक सर्वेक्षण के आदेश को चुनौती दी गई है।

दरअसल, हाईकोर्ट ने वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में कथित तौर पर मिले 'शिवलिंग' का वैज्ञानिक सर्वेक्षण कराने का आदेश दिया गया है। इस सर्वेक्षण में शिवलिंग की उम्र निर्धारित करने वाली 'कार्बन डेटिंग' तकनीक भी शामिल है।

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस जेबी पारदीवाला की पीठ ने ज्ञानवापी मस्जिद प्रबंधन समिति की तरफ से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता हुजैफा अहमदी की दलीलों का संज्ञान लिया और याचिका को शुक्रवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई।

क्या है मुस्लिम पक्ष की मांग?

अहमदी ने कहा, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ दायर अपील लंबित है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 12 मई को अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर, ज्ञानवापी मस्जिद में मिली उस संरचना की उम्र निर्धारित करने का आदेश दिया था, जिसके 'शिवलिंग' होने का दावा किया जा रहा है। उच्च न्यायालय ने वाराणसी जिला अदालत के उस आदेश को रद्द कर दिया था, जिसके तहत मई 2022 में ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में किए गए सर्वे के दौरान मिली संरचना की कार्बन डेटिंग सहित अन्य वैज्ञानिक परीक्षण कराने के अनुरोध वाली याचिका खारिज कर दी गई थी। उच्च न्यायालय ने वाराणसी के जिला न्यायाधीश को 'शिवलिंग' का वैज्ञानिक सर्वेक्षण कराने के हिंदू पक्ष के अनुरोध पर कानून के अनुसार आगे बढ़ने का निर्देश दिया था।

क्षेत्राधिकारी भिनगा ने जवानो को फिट रहने के लिए लगवाई दौड़

प्रेमचंद जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती -श्रावस्ती क्षेत्राधिकारी नगर भिनगा अतुल कुमार चौबे द्वारा पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में परेड की सलामी ली गई तथा परेड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के पश्चात क्षेत्राधिकारी ने शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट रहने के लिए परेड को दौड़ लगवाई। परेड में एकरूपता व अनुशासन बनाए रखने के लिए टोलीवार ड्रिल करवाई। परेड में उपस्थित कर्मचारियों से एक-एक कर ड्रिल कराई गई सभी कर्मचारियों को ड्रिल कमांड सीखने के लिए बताया गया। ड्रिल देखकर उसे और बेहतर तरीके से कराने के लिए प्रतिसार निरीक्षक लाइन को निर्देशित किया व अन्य महत्वपूर्ण दिशा निर्देश भी दिए। ड्यूटी के दौरान समस्त कर्मचारी बावर्दी दुरुस्त रहकर अपनी ड्यूटी कर्तव्य निष्ठा के साथ जनता से मधुर व्यवहार स्थापित करने हेतु निर्देशित किया गया। क्षेत्राधिकारी द्वारा पुलिस लाइन निरीक्षण के दौरान क्वार्टर गार्ड, जीडी कार्यालय, कैश कार्यालय, सीपीसी कैंटीन, शस्त्रागार, परिवहन शाखा, सीसीटी एनएस कार्यालय, डीसीआर शाखा, मालखाना स्टोर आदि का निरीक्षण किया गया। क्षेत्राधिकारी द्वारा जिला भोजनालय पहुंचकर भोजन बना रहे कर्मचारियों से कुशल क्षेम जाना तथा भोजन की गुणवत्ता को चेक किया गया। सभी को मानक के अनुसार पौष्टिक भोजन बनाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। आरक्षी बैरक तथा पुलिस लाइन आवास के आस-पास साफ-सफाई एवं स्वच्छता हेतु विशेष ध्यान देने हेतु प्रभारी प्रतिसार निरीक्षक को निर्देशित किया गया।आदेश कक्ष में गार्द रजिस्टरो को चेक किया गया तथा गार्द/सुरक्षा ड्यूटी के संबंध में सभी गार्द कमांडरों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

एक दिवसीय सेमिनार का हुआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- रिठौरा।नगर के मैस्कॉट कॉलेज ऑफ एजुकेशन में एवं डी0एल0एड0 के छात्र-छात्राओं के लिए परीक्षा गुरु कोचिंग के द्वारा गुरुवार को एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन हुआ। जिसमें बी0एड0प्रथम वर्ष एवं बीएड द्वितीय वर्ष एवं डी0एल0एड0 के छात्र छात्राओं ने भविष्य में शिक्षक बनने के लिए पात्रताओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। एक सूक्ष्म परीक्षा देकर अपने टैलेंट का प्रदर्शन किया।परीक्षा गुरु की टीम ने विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर प्रोत्साहन सम्मानित किया। सेमिनार में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ जयकरन माथुर ,डॉक्टर हेमेंद्र कुमार, डॉ सोमा गौड़ ,कुलदीप ,मनोज, विनीत शर्मा, फरीन मैम ,किरण मैम, कुमकुम, हेमपुष्पा गंगवार , प्रीति सिंह , संध्या पटेल सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

दस लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ एक गिरफ्तार

अरविन्द कुमार यादव -क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती - प्रभारी निरीक्षक योगेन्द्र कुमार राय थाना सिरसिया मय हमराह क्षेत्र भ्रमण के दौरान मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त पहलवान पुत्र सेवं?श नि0 ग्राम बदलापुर थाना सिरसिया जनपद श्रावस्ती को 10 लीटर नाजायज कच्ची शराब के साथ ग्राम मोतीपुर जाने वाली पक्की सड़क से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के विरुद्ध थाना सिरसिया पर मुकदमा आबकारी अधिनियम में अभियोग पंजीकृत किया गया।

रामी नदी में नहाने गए बच्चे को डूबने से मौत

लंकीन प्रसाद वर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती -थाना सोनवा क्षेत्र पुलिस चौकी लक्ष्मन नगर किस क्षेत्र के अंतर्गत विपिन उर्फ प्रियांशु उम्र 10 वर्ष पुत्र तिलकराम सोनकर निवासी बिशंभरपुर ग्राम रघुनाथपुर के पास रामी नदी में डूब गया था

मोहनापुर के पास नदी में

उफलाता हुआ शव दिखाई दिया और वहीं पर परिजनो ने नजदीक जाकर के देखा तो पता चला कि अपना ही लड़का का शव है परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। परिजनों द्वारा द्वारा पुलिस चौकी लक्ष्मण नगर पर सूचना दिया गया सूचना पाकर मौके पर पहुंचे पुलिस चौकी प्रभारी योगेश कुमार सिंह, मनोज मिश्रा ,सुनील कुमार यादव, संतोष कुमार, मौके पर पहुंचकर शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी हाउस भिनगा भेज दिया गया है

सात साल से शुभारंभ की राह तक रहा म्यूजियम, यहां मौजूद हैं सदियों पुरानी मूर्तियां

कन्नौज के सुनहरे इतिहास को सहेजे राजकीय म्यूजियम का सात साल में भी शुभारंभ नहीं किया जा सका। तीन मंजिला म्यूजियम में खुदाई में निकलीं सदियों पुरानी और महत्वपूण मूर्तियां रखी गई हैं।इत्र और इतिहास की नगरी कहे जाने वाले कन्नौज ने अपनी विरासत को खूबसूरती से सहेज रखा है। यहां के सदियों पुराने इतिहास को संजोए रखने के लिए तीन मंजिला म्यूजियम की इमारत में रखा गया है। यह अलग बात है कि पिछले सात साल से बनकर तैयार म्यूजियम की इमारत को अब तक शुरू नहीं किया जा सका है। इसके उद्घाटन की राह तकते हुए दो स्टाफ में एक सेवानिवृत्त हो गया और दूसरे का निधन हो गया। जीटी रोड किनारे यूपीटी के पास बने तीन मंजिला म्यूजियम की पहली मंजिल पर अलग-अलग गैलरी है। दूसरी मंजिल पर कन्नौज शहर में अलग-अलग समय में खुदाई के दौरान निकली सदियों पुरानी मूर्तियों को सहेज कर रखा गया। तीसरी मंजिल पर इत्र बनाने की जानकारी को मूर्तिकला के माध्यम से अनोखे अंदाज में समझाने के लिए अलग से गैलरी बनाई गई।इसी मंजिल पर कन्नौज के राजवंशों के शासनकाल को मूर्तिकला के माध्यम से दिखाया गया है। सम्राट हर्षवर्द्धन के शासनकाल के साथ ही राजा जयचंद के शासन को भी दिखाया गया है। कन्नौज पर मोहम्मद गौरी के आक्रमण और बुंदेलखंड

के बहादुर योद्धा आल्हा-ऊदल के यहां के प्रवास को भी दिखाया गया है। हालांकि औपचारिक रूप से म्यूजियम को अब तक शुरू नहीं किया जा सका है, लेकिन रोजाना बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचते हैं। इसमें बड़ी संख्या में छात्र होते हैं, जो शहर और जिले के इतिहास को देखने के लिए यहां पहुंचते हैं। लेकिन औपचारिक रूप से म्यूजियम का अब तक उद्घाटन न होने की वजह कर कई बुनियादियों सुविधाओं की कमी से उन्हें मायूसी होती है।

सम्राट हर्षवर्द्धन और चीनी दार्शनिक ह्वेनसांग की मूर्तियां पर्दे में

म्यूजियम को भव्य बनाने के लिए यहां बाहरी हिस्से में कन्नौज के यशस्वी शासक रहे सम्राट हर्षवर्द्धन की आदमकद मूर्ति लगाई है। पास ही में चीनी दार्शनिक व बौद्ध भिक्षु ह्वेन त्सांग की भी आदमकद मूर्ति खड़ी है। सम्राट हर्षवर्द्धन के शासनकाल सन् 590 से 647 के बीच कन्नौज काफी संपन्न साम्राज्य में शुमार था। उनके ही शासनकाल के दौरान चीनी दार्शनिक ह्वेन सांग 622 में भारत भ्रमण के दौरान यहां आए थे। सम्राट हर्षवर्द्धन के सेवाभाव से प्रभावित होकर वह काफी दिनों तक यहां रुके थे। यहां से वापस लौटने के बाद उन्होंने किताब 'सी-यू-की' में कन्नौज का खास जिक्र किया है। ऐसे में म्यूजियम में इन दोनों की मूर्तियों को लगवाकर सुनहरे इतिहास से लोगों को रूबरू कराने की कोशिश की गई थी। उद्घाटन की हसरत संग दुनिया से रुख्सत राजकीय संग्रहालय बनने पर शासन की ओर से यहां संस्कृति विभाग की ओर से बाकायदा स्टाफ की तैनाती की गई थी। संग्राहलय के अध्यक्ष के रूप में दीपक कुमार ने यहां अपनी सेवा दी। संग्राहलय के बनने और इसके सजने-संवरने में उनकी खासी भूमिका रही। उद्घाटन होने पर यहां सुविधाएं बढ़ेंगी। यहां आने वाले पर्यटकों से न्यूनतम फीस लिया जा सकेगा। राजस्व भी बढ़ेगा।

कन्नौज के इतिहास को सहेजने के लिए सपा शासन के दौरान म्यूजियम बनाया गया था। तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने शासनकाल में इस इमारत का शिलान्यास किया था। कन्नौज का सांसद रहते हुए अखिलेश यादव ने भी इसमें दिलचस्पी ली। बाद में वह मुख्यमंत्री बने तो अलग से बजट जारी कर म्यूजियम की इमारत को नए सिरे से बनवाया गया। शासन से अलग से बजट जारी कर इसके तीनों मंजिल को अलग-अलग अंदाज में तैयार किया गया।

स्कूल में यौन शोषण: छात्राओं ने बयां की कंप्यूटर टीचर की दरिंदगी, पुलिस ने मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज कराए बयान

शाहजहांपुर के ददरौल ब्लॉक के एक पूर्व माध्यमिक विद्यालय में यौन शोषण की शिकार छात्राओं की मेडिकल रिपोर्ट पुलिस को प्राप्त हो गई है। बुधवार को पुलिस ने तीन छात्राओं के मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज कराए। छात्राओं कंप्यूटर टीचर की दरिंदगी बयां की।यौन शोषण के मामले में 14 छात्राओं का मेडिकल परीक्षण कराया गया। बुधवार को पुलिस ने तीन छात्राओं को शाहजहांपुर में मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश कर उनके बयान दर्ज कराए। विद्यालय में कंप्यूटर टीचर कई दिनों से छात्राओं के साथ अश्लील हरकतें कर रहा था। छात्राओं ने इसकी जानकारी वहां तैनात अन्य शिक्षकों को दी,

लेकिन उन्होंने अनसुना कर दिया। टीचर के बार-बार अश्लील हरकतें करने पर छात्राओं ने परिजनों को जानकारी दी। इसके बाद 13 मई को आक्रोशित ग्रामीणों ने विद्यालय में जमकर हंगामा किया। कंप्यूटर टीचर की पिटाई कर उसे पुलिस के सुपुर्द कर दिया। गांव के एक ग्रामीण की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी कंप्यूटर टीचर

मोहम्मद अली, इंचार्ज प्रधानाध्यापक अनिल कुमार और सहायक शिक्षिका शाजिया के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। कंप्यूटर टीचर को पुलिस ने जेल भेज दिया।

14 छात्राओं का हुआ मेडिकल परीक्षण

इस मामले में 14 छात्राओं का मेडिकल परीक्षण कराया गया। सीओ तिलहर प्रियांक जैन के अनुसार, मेडिकल रिपोर्ट प्राप्त मिल गई है, लेकिन अभी उसे देख नहीं पाए हैं। दूसरी ओर बुधवार को पुलिस ने तीन छात्राओं को शाहजहांपुर में मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश कर उनके बयान दर्ज कराए। मजिस्ट्रेट के सामने छात्राओं ने अपने साथ घटे घटनाक्रम की विस्तृत जानकारी दी।

पुलिस अभी अन्य छात्राओं के बयान भी दर्ज कराएगी। बुधवार को 15 छात्र और चार छात्राएं ही विद्यालय पहुंचीं। ज्यादातर छात्राएं स्कूल जाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रही हैं। हालांकि शिक्षक उन्हें स्कूल से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं।

पीड़ित परिवारों से मिले कांग्रेस नेता

उधर, कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष पवन सिंह के नेतृत्व में पार्टी के एक शिष्टमंडल में गांव पहुंचकर ग्रामीणों और पीड़ित परिवारों से मामले की जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीणों को निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया। कहा, पूरी रिपोर्ट कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका वाड्रा को भेजकर छात्राओं को न्याय दिलाया जाएगा। एसपी एस. आनंद ने बताया कि छात्राओं की मेडिकल रिपोर्ट प्राप्त हो गई। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है। तीन छात्राओं के मजिस्ट्रेट के समझ बयान भी दर्ज करा दिए हैं। अभी मानवाधिकार आयोग से इस संबंध में रिपोर्ट भेजने का निर्देश प्राप्त नहीं हुआ है। निर्देश मिलने पर रिपोर्ट भेजी जाएगी।

एथलेटिक फेडरेशन ऑफ इंडिया किड्स एथलेटिक चैंपियनशिप 2023 आह्वान का शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली-रिठौरा- एथलेटिक फेडरेशन ऑफ इंडिया किड्स एथलेटिक चैम्पियनशिप 2023 का गुरुवार को शुभारंभ किया गया। जिसमें 8 वर्ष, 10 वर्ष एवं 12 वर्ष की (बालक एवं बालिकाओं) ने प्रतिभाग किया। समस्त भारत के प्रदेश एवं जिला संघों में भी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया

जिले स्तर की प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ी प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया जिला एथलेटिक संघ बरेली ने किड्स एथलेटिक चैंपियनशिप का आयोजन गुरुवार को आदेश नगर रिठौरा के खेल प्रांगण में किया जिसमें काफी संख्या में किड्स एथलीट्स ने भाग लिया विजेता खिलाड़ियों को काजल चक्रवर्ती, राष्ट्रीय एथलीट एवं मोहम्मद अलीम ने पदक पहना कर सम्मानित किया ,

प्रतियोगिता का संचालन साहिबे आलम सचिव जिला एथलेटिक संघ बरेली ने किया, उन्होंने बताया कि इस किड्स प्रतियोगिता के विजेता किड्स खिलाड़ी प्रदेशी किड्स एथलेटिक प्रतियोगिता मैं बरेली का प्रतिनिधित्व करेंगे जो इस माह के अंतिम सप्ताह में कानपुर में आयोजित होगी प्रतियोगिता के प्रणाम इस प्रकार है= 50 मीटर दौड़ (बालक 12 वर्ष) मोहम्मद सुभान प्रथम, मोहम्मद फैजान द्वितीय और राज तृतीय द्य 50 मीटर (बालक 10 वर्ष) शिवम प्रथम, बादल द्वितीय एवं सिद्धार्थ तृतीय द्य 50 मीटर (बालक 8 वर्ष) अल्तमस प्रथम , दक्ष द्वितीय एवं प्रिंस तृतीय द्य 50 मीटर (बालिका 12 वर्ष) अनामिका गुप्ता प्रथम, फलक द्वितीय एवं साक्षी तृतीयद्य (लंबी कूद बालक 12 वर्ष) मोहम्मद सुभान प्रथम राजू द्वितीय एवं टीसंजीव तृतीय द्य बालिका वर्ग शिवानी प्रथम अलका द्वितीय एवं रानी तृतीय द्य प्रतियोगिता को सफल बनाने में मोहम्मद निजामुद्दीन, अनीस मंसूरी, प्रियांशी वर्मा, कबीर अहमद, सुमित कुमार एवं मोइनुद्दीन का सहयोग रहा

नाथ नगरी की धरा पर पुरानी पेंशन अधिकार पदयात्रा में उमड़ा जनसैलाब

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- नवीन पेंशन स्कीम के विरोध में संयुक्त मोर्चा ने निकाली पुरानी पेंशन अधिकार पदयात्रा गुरुवार को पुरानी पेंशन बहाली को लेकर संयुक्त मोर्चा के जिला संयोजक राम लाल कश्यप के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के आवाह्न पर ग्रामीण सफाई कर्मचारियों, शिक्षक कर्मचारियों , अधिकारियों द्वारा कार्यालय प्रेरणा सदन मिनिस्ट्री एसोसिएशन पीडब्ल्यूडी बरेली में दोपहर 3-00 बजे लगभग दो हजार की संख्या में कर्मचारी पुरानी पेंशन अधिकार पद यात्रा के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया गया ।कर्मचारी पेंशन अधिकार पदयात्रा रैली निकालते हुए पुरानी पेंशन जिंदाबाद के नारों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे, जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री भारत सरकार एवं मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया। पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा के जिला संयोजक एवं उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष नरेश गंगवार ने कहा कि प्रांतीय संघ के आह्वान पर उत्तर प्रदेश के 74 जनपदों में रैली निकालकर

भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार को आगाह किया। कर्मचारियों की पुरानी पेंशन को जल्द बहाल नहीं किया गया। प्रांतीय आह्वान पर 4 जुलाई 2023 को उत्तर प्रदेश के 74 जनपदों से लगभग 13 लाख राज्य कर्मचारी लखनऊ में आंदोलित होकर आंदोलन करेंगे ।प्रांतीय संयोजक आलोक चौहान, जिला संयोजक नरेश गंगवार एवं जिला संयोजक जितेंद्र पाठक और राम लाल कश्यप ने संयुक्त रूप से कहा कि संयुक्त मोर्चा ने पुरानी पेंशन अधिकार पदयात्रा का आगाज कर दिया है ।जिसकी एक झलक जनपद बरेली में दिखाई गई है। यह आंदोलन अब जन आंदोलन के रूप में उभरेगा जब तक पुरानी पेंशन बहाल नहीं हो जाती तथा सरकार का पेंशन के प्रति दोहरा-सौतेला रवैया बंद नहीं हो जाता तब तक संयुक्त मोर्चा संघर्ष करता रहेगा।

इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों के संघ पदाधिकारी मुख्य रुप से आलोक चौहान, राम लाल कश्यप, नरेश गंगवार,के0 सी 0पटेल, पुष्प राज गंगवार, राजीव लोचन शर्मा, मनोज गंगवार, रनवीर सिंह पटेल, राजेंद्र सिंह कोली, तेजपाल पटेल ,छोटेलाल बाल्मीकि, सूरजपाल राजपूत, प्रवेश सागर, अरविंद शर्मा, गजेंद्र सिंह, हेतराम राजपूत, प्रवेश कुमार, राकेश वाल्मीकि, नरेश भारती, अशोक वाल्मीकि, नंदिता सजल, आकाश बाबू, पंकज वर्मा, अनंत रस्तोगी, रामकिशोर, प्रदीप पुष्कर, वीरेंद्र गंगवार, सुखपाल पटेल, नन्हे लाल बाल्मीकि, जोगेंद सिंह, अरविंद शर्मा, श्रीपाल वर्मा अशोक वाल्मीकि, संतराम दिवाकर, शिवसागर, संतोषी देवी, विमला वर्मा, शिवानी आदि।

जीती मोहब्बत की जंग: शादी के आठ साल बाद बेटे को लेकर प्रेमी के घर पहुंची प्रेमिका, पहले हुई मारपीट फिर रजामंदी

बरेली के हाफिजगंज क्षेत्र में एक बच्चे की मां शादी के आठ साल बाद अपने प्रेमी के घर आ धमकी। वह उससे शादी की जिद करने लगी। प्रेमी भी उससे शादी करना चाहता था, लेकिन दोनों के परिजनों को यह बात नागवार गुजरी और उनमें जमकर मारपीट हुई। पुलिस दोनों पक्षों को थाने ले आई तो वहां मजमा लग गया। आखिरकार दोनों पक्ष उनकी शादी कराने के लिए रजामंद हो गए। महिला का विवाह आठ वर्ष पूर्व बहेड़ी क्षेत्र के एक गांव में हुआ था। शादी के बाद उसने बेटे को जन्म दिया। महिला अपने प्रेमी से चोरी छिपे मिलती रही। पति को इसकी जानकारी हुई तो उसने उसे घर से निकाल दिया।थाना हाफिजगंज क्षेत्र के गांव की युवती का विवाह आठ वर्ष पूर्व बहेड़ी क्षेत्र के गांव में हुआ था। शादी के बाद महिला ने एक पुत्र को भी जन्म दिया, लेकिन उसके प्रेमी से संबंध खत्म नहीं हुए। वह पति से छिपकर प्रेमी युवक से बात करती रहती थी। दो वर्ष पहले प्रेमी युवक ने प्रेमिका के पति को आपत्तिजनक वीडियो भेजा। इसके बाद पति ने पत्नी के आने-जाने पर रोक लगा दी थी।

अपने मायके में रह रही थी महिला

आरोप है कि पति उसका उत्पीड़न करने लगा। करीब एक महीने पूर्व पत्नी को घर से निकाल दिया, तब से वह अपने मायके में रहने लगी। मंगलवार को वह गांव में ही प्रेमी के घर अपने छह वर्ष के बच्चे के साथ बैठ गई। प्रेमी भी प्रेमिका के आने से खुश हो गया। दोनों एक-दूसरे के साथ शादी करने की जिद करने लगे, लेकिन प्रेमी और शादीशुदा प्रेमिका के घरवालों को यह कतई मंजूर नहीं था।दोनों के परिजनों के बीच जमकर कहासुनी और मारपीट होने लगी, लेकिन प्रेमिका प्रेमी के साथ ही रहने की जिद पर अड़ी रही। सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस प्रेमी जोड़े को थाने ले आई। दोनों के परिजन भी वहां पहुंच गए। काफी जद्दोजहद के बाद दोनों की शादी पर सहमति बन गई और प्रेमिका प्रेमी के साथ चली गई।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

The strange relationship between India and Pakistan; No to cricket, but competition is happening in these sports including football-hockey

On Wednesday (May 17), the All India Football Federation (AIFF) made an important announcement regarding the South Asian Football (SAF) Championship to be held next month. He informed that the Pakistan team would travel to Bangalore. Bilateral cricket series is not happening between India and Pakistan for a long time. Team India plays against it only in ICC tournaments or Asia Cup. The Indian team does not want to tour Pakistan. Whereas, Pakistan does not want to come to India. However, this is so only in cricket. Both the teams have been facing each other regularly in other games. The cricket boards of both countries have ruled out sending their teams across the border for this year's Asia Cup and World Cup, but the story is different when it comes to other sports. On Wednesday (May 17), the All India Football Federation (AIFF) made an important announcement regarding the South Asian Football (SAF) Championship to be held next month. He informed that the Pakistan team would travel to Bangalore. India and Pakistan teams are in the same group. There will be a fight between the two on June 21. The Pakistani team has got permission for this tournament. Pakistani hockey team will come to India! Not only football, but both the teams are going to face each other in hockey as well. Pakistan has made up its mind to send its team to Chennai for the Asian Champions Trophy to be held in August. However, for this the Pakistani team will need funding. If he gets help, the hockey team will also tour India this year. Last week, the Pakistan Hockey Federation said its secretary general Haider Hussain had written a letter to the country's sports board, seeking an NOC for him to travel to India. In a video message, Hussain said, "Pakistan will definitely go (to Chennai)." Indian bridge team went to Pakistan After football and hockey, if we talk about bridge game, then the Indian team went to Lahore recently. Team India players went there amid the recent political turmoil in Pakistan. The players claimed that they were treated splendidly there. This dispute happened four years ago - Football and hockey federations are bound by the rules of FIFA and the International Olympic Committee. These rules prohibit a country from discriminating against athletes from any country. Four years ago, the International Olympic Committee (IOC) stripped India of hosting global events after the government denied visas to Pakistani shooters. The Pakistani team was to participate in the World Cup in New Delhi. Olympic rules do not apply to cricket – Cricket is not an Olympic sport. For this reason, IOC rules do not apply to it. The International Cricket Council did not involve itself in the ongoing feud between the Indian and Pakistani cricket boards. This led to a deadlock. The Indian team is not going to tour Pakistan for the Asia Cup this year. Due to this the hosting has also been snatched from Pakistan. Now he will organize the tournament in another country. The dispute between India and Pakistan has not ended till the Asia Cup itself. The Pakistan Cricket Board is giving different statements for the World Cup to be held in India. Now it has to be seen what is the stand of both the countries regarding both the tournaments.

'Gavaskar will never come to talk to me', Lucknow's bowler Mohsin had why did Sehwag say this by naming Prithvi Shaw and Shubman Gill

Prithvi, once called the future of Indian cricket, has been going through a bad phase for some time now. His bat is not moving on the field. At the same time, off the field, he was seen surrounded in different controversies. In the 64th match of IPL, Delhi Capitals defeated Punjab Kings by 15 runs. In this match for Delhi, Prithvi Shaw scored 54 runs off 38 balls. Prithvi, who was in poor form throughout the season, was given another chance by Delhi. He took advantage of this and hit a half-century. Seeing Prithvi's innings, former India opener Virender Sehwag remembered a funny incident. Along with this, he also told about the importance of former players. Prithvi, once called the future of Indian cricket, has been going through a bad phase for some time now. His bat is not moving on the field. At the same time, off the field, he was seen surrounded in different controversies. Prithvi told with his batting against Punjab on Wednesday why he is called the superstar of the future. Talking about Prithvi, former Delhi captain Sehwag recalled his conversation with Sunil Gavaskar during the 2003-04 season. 'Prithvi and Shubman did not talk to me on cricket' - Sehwag said in a cricket show, "Prithvi Shaw shot an advertisement with me. At that time Shubman Gill was also with him. None of them talked about cricket even once. We stayed there for six hours. If you want to talk to someone, you have to contact them. Wanted to talk to Sunny bhai (Sunil Gavaskar) when I was new in the team. I told coach John Wright that I am still a new player and I don't know if Sunny bhai will meet me or not. You should introduce me to him." Sehwag further added, "John Wright hosted a dinner for me in 2003-04 and I also said that my (opening) partner Aakash Chopra would also come so that we could discuss batting. I can talk Gavaskar came and had dinner with us. You have to take this initiative. Sunil Gavaskar will not try to talk to Sehwag or Chopra. You have to request them." Gavaskar's advice worked for Sehwag and Chopra – Sehwag was known for scoring fast runs while Akash Chopra played comfortably. Chopra and Sehwag had fruitful opening partnerships in the 2003–04 edition of the Border-Gavaskar Trophy in Australia. Talking about Shaw, Sehwag also stressed on strengthening the mindset to get the right results. Prithvi Shaw should request- Sehwag further said, "He (Gavaskar) gave his input and we talked for a long time. We benefited from that conversation. You have to make that effort. Gavaskar would never try to talk to Virender Sehwag or Aakash Chopra. You have to request for this. If Prithvi Shaw makes such a request, anyone will help him. He should have submitted a request to the Chief Operating Officer (COO) of Delhi Capitals. No matter how talented you are in cricket. If you are not mentally fit then nothing can be done.

come to amputate his hand, if the surgery was delayed, his left hand would not have survived

Left-arm fast bowler Mohsin had undergone shoulder surgery last year. He suffered a blood clot in his left shoulder and was ruled out of the entire domestic season due to it. Lucknow Supergiants pacer Mohsin Khan said that his hand could have been amputated if he had not gone to the doctors in time. Mohsin had bowled a brilliant last over against Mumbai Indians in the IPL match on Tuesday which helped the team win. Mumbai needed 11 runs in the last over to win. There were aggressive batsmen like Tim David and Cameron Green at the crease, but Mohsin gave only five runs. Blood clots were frozen- Left-arm fast bowler Mohsin had undergone shoulder surgery last year. He had a blood clot in his left shoulder and was ruled out of the entire home season because of it. Apart from this, he could not play even in the opening matches of IPL last year. Mohsin said, 'My confidence was broken by playing cricket. I used to try many times, then I was able to raise my hand and then I could not straighten up. It was a medical ailment. Whenever I remember that time of mine, I get scared. I was told by the doctors that if I had delayed the surgery for one more month, my hand might have to be amputated. I would only say that this disease should not happen to any person. It was a strange disease. My arteries were clogged. There were blood clots in them.' Have seen very difficult times-- Mohsin said, 'I have seen very difficult times before and after the surgery. Uttar Pradesh Cricket Association, Rajiv Shukla, Lucknow Supergiants, Gautam Gambhir, my family, all of them have supported me in difficult times. Will be happy to see me play - Mohsin said, 'My father was discharged from the hospital on Monday Because he had suffered a brain stroke. He was admitted in ICU for 10 days. I was playing for them. I visited him in the hospital and told him that he would be fine and would watch me play. He must have been very happy to see me playing. Mohsin had a great last season in the IPL. He took 14 wickets in nine matches. After this he had a shoulder injury. Then got away from cricket for a long time. He was not fully fit even in the current season of IPL. This was his second IPL match of this season against Mumbai.

Reema Lagoo was working till a few hours before her death, the shadow of 'mother' was raised from Bollywood due to sudden demise

Coming to Bollywood is a big dream of every acting lover. People in this industry are known for their work. Some make headlines for their looks, while some are known for their character. In today's article, we are going to introduce you to one such personality, who is known for her mother's character in films. We are talking about Reema Lagoo, whose films have immortalized her even today. So let's know some interesting stories related to the life of the actress. Today is the death anniversary of Bollywood veteran actress Reema Lagoo. On this day in the year 2017, he died due to a heart attack. Reema Lagoo has spread her acting magic not only in Bollywood but also on the small screen. The actress has also worked in Marathi and Hindi films apart from daily soaps. However, the actress is still remembered for her role as a mother in films. Reema gained popularity in the era of Bollywood when the mother's character was just a sad and tearful image, but the actress Breaking this myth, the new image of the vivacious smiling and modern mother was presented to the audience. Reema is believed to have started her career with Marathi films. After working in Marathi films for a few years, she turned to Hindi cinema. While working in Marathi films,

Reema met Marathi actor Vivek Lagoo. The actress then married him and adopted the name Lagoo. Reema and Vivek have a very cute daughter named Mrinmoyee Lagoo. For a few years of marriage, the relationship of both of them went very well, but later the problems started to flourish in their relationship and then after a few years, Reema separated from her husband Vivek. Let us tell you that actress Reema died Had shot till a few hours ago. She came home after the shoot and felt chest pain in the middle of the night, after which she was taken to the hospital, but the actress succumbed to her injuries on the way. Reema has worked in more than 95 films in her career. Even though the actress may not be with us today, but her powerful performance has immortalized her even today.

How will you prove that a girl was sexually assaulted for 15 days? Adah Sharma's reply on the film's controversy

The Kerala Story Actress Adah Sharma The Kerala Story continues to earn big at the box office. Meanwhile, Adah Sharma reacted to several questions raised on the film and told that during the promotions she was asked to prove the numbers. The Kerala Story has been in the news for its box office success. The film's actress Adah Sharma is also in the limelight. The actress has been receiving appreciation for her performance in The Kerala Story. Meanwhile, now Adah talked about the film. The team of The Kerala Story was recently a part of the press conference. During this, Ada Sharma talked about the story of the girls shown in the film and told that she herself has spoken to those girls who have suffered all this. how do you prove sexual abuse-Adah Sharma said, "15 people sexually assaulted you, I don't know how you will prove it. How will you prove that 15 people raped you everyday in a month? Cheated in love with Shalini." How will she prove it? I don't know how this case is registered? Doesn't that count? Doesn't sexual harassment count, because we can't prove it by writing that what position the boy did, What did the others do after that? Those girls are very brave - Ada further said, "Here I met the girls with whom all this happened. They are all very brave and they deserve a lot, because they came here and faced it knowing that They will be let down, no matter what kind of questions can be asked." Many questions were asked about the numbers - Talking about the questions asked about the film during the promotion, the actress said, "When I was promoting the film, people asked me many questions about the numbers. Means a heart wrenching one.

Urvashi Rautela dominated the Cannes red carpet, 'Barbie Doll' in orange gown

Urvashi Rautela is seen at the Cannes Film Festival. The actress walked the red carpet on the second day of Cannes. Now his pictures are going viral on social media. The actress impressed everyone with her stunning look. Bollywood's beautiful and glamorous actress Urvashi Rautela is seen at the Cannes Film Festival these days. The actress walked the red carpet on the second day of Cannes. Now his pictures are going viral on social media. The actress impressed everyone with her stunning look. Urvashi looked 'Barbie doll' in an orange gown - Urvashi Rautela walked the red carpet on the second day of the Cannes festival. Attended the red carpet of the '76th Cannes Film Festival'. During this, Urvashi Rautela wore a billowing silhouette ruffled gown of orange colour. Keeping her look glamorous, the actress sported bright eye makeup, blushed cheekbones and glossy lipstick. At the same time, the high hair bun was seen complementing her look.

Parveen Babi's biopic will be presented in Cannes - According to media reports, Urvashi Rautela will present the late actress Parveen Babi's biopic in Cannes this year. Urvashi will participate in a photocall launch event where she will get a chance to play the role of Parveen. As per reports, the biography will be a tribute to Parveen Babi. The actress came to Cannes for the second time- Tell me, Urvashi made her debut at the Cannes Film Festival in the year 2022. This year she appeared on the red carpet for the second time. Cannes started from 16th May - Cannes Film Festival has started from 16th May. Many stars from India and abroad have arrived at the 76th Cannes Festival.

Mrunal thakur debuted in black bold dress, people said- 'Your beauty should be taxed'

Talking about Mrinal Thakur's work front, these days she is in discussion about her upcoming film Nani 30. Apart from this film, she will soon be seen in Pooja Meri Jaan Pippa and Lust Stories 2 in lead roles. The world's largest Cannes Film Festival, being held in the French Riviera, is currently the most talked about. Like every time, this time also there will be screening of films from all over the world in Cannes. In such a situation, how can the stars stay behind in spreading their charm. Like every year, this year too, the fashion of the stars at the Cannes Film Festival will be worth watching. This time too many actresses of the Hindi film industry will be seen slaying the red carpet at the Cannes Film Festival. This year Mrunal Thakur is going to make her debut at the Cannes Film Festival. Mrunal Thakur made her Cannes debut in a black lace pant suit and sequin jacket. Its pictures have been shared by Mrinal on his Instagram account. In these pictures you can see that Mrinal is looking very beautiful and hot in all black look. In these pictures, Mrinal is giving bold poses in different styles. These full netted pants of hers are making her look even more sizzling. Happiness can be clearly seen on Mrinal's face regarding her debut in Cannes. These pictures of Mrinal Thakur have been widely discussed on social media. By commenting on these, users are not tired of praising them on one side. On the other hand, commenters are linking this look of the actress with her character in her Telugu film Sita Ramam. Commenting on these pictures, a user wrote, 'She is looking very different from the character of her film 'Sita Ramam'.' One wrote, 'What have you done Sita?' One writes, 'Government should tax your beauty and GST. Too. Am I right?' Many such comments are coming on these photos.

बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के तहत आरटीए लुधियाना और एसडीएम जगराओं द्वारा स्कूली वाहनों की चेकिंग की

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच
लुधियाना- पंजाब सरकार के दिशा निर्देशों के तहत परिवहन विभाग के आरटीए डॉ. पूनम प्रीत कौर और एसडीएम जगराओं गुरबीर सिंह कोहली ने संयुक्त रूप से सुरक्षित स्कूल वाहन योजना के तहत जगराओं (जीएचजी एकेडमी, स्प्रिंग ड्यू, सेक्रेड हार्ट कॉन्वेंट स्कूल) के विभिन्न स्कूलों की चेकिंग की । आरटीए ने प्रेस नोट के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि चेकिंग के दौरान स्कूली वाहनों में अग्निशमन यंत्र, महिला अटेंडेंट, प्रेशर हॉर्न, फिटनेस, आपातकालीन द्वार नहीं होना , परमिट नहीं होना सहित कई खामियां मिलीं । इस मौके पर उन्होंने 14 वाहनों के चालान

काटे, जिनमें से 6 चालान जीएचजी एकेडमी, 3 चालान स्प्रिंग ड्यू स्कूल, 5 चालान सेक्रेड हार्ट कॉन्वेंट स्कूल और जीएचजी एकेडमी के 2 वाहनों को धारा 207 के तहत बंद कर दिया गया । चेकिंग के दौरान आरटीए व एसडीएम की तरफ से स्कूल के प्रधान अचार्य व प्रशासन विभाग को सख्त हिदायत दी कि सुरक्षित स्कूल वाहन योजना के नियमों का उल्लंघन करने पर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बच्चों की जिंदगी से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसलिए, उन्हें स्कूली वाहनों में सुरक्षा मानदंडों को बनाए रखने की चेतावनी भी दी गई

देर रात चली तेज आंधी से कई जगहों पर गिरे पेड़, मुक्तसर में बिजली के कई खंभे गिरे

पंजाब में देर रात मौसम बदल गया। तेज आंधी के कारण कई जगहों पर पेड़ गिर गए। बठिंडा में बीती रात आई तेज आंधी से कारों के ऊपर पेड़ गिर गए। जिससे कारों का काफी नुकसान हो गया। इसके अलावा पुलिस लाइन के पास लगे एडवरटाइजमेंट पोल भी तेज आंधी उखड़ गए। आंधी के कारण लुधियाना के सिंगार सिनेमा रोड पर बिजली का पोल गिर गया। अगले तीन दिन सूबे के पारे में कोई बड़ा बदलाव देखने को नहीं मिलेगा, लेकिन इसके बाद 2-3 डिग्री की वृद्धि दर्ज की जा सकती है। बुधवार को पंजाब के तापमान में 0.7 डिग्री का उछाल दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.1 डिग्री अधिक रहा। मुक्तसर में बुधवार रात दस बजे तेज आंधी के साथ शुरू हुई जोरदार बारिश से जिले में दो सौ से अधिक बिजली के खंभे और लगभग पंद्रह ट्रांसफार्मर गिर गए। वहीं बिजली के तारों का भी भारी नुकसान हुआ है। जिसे दुरुस्त करने में पावरकॉम अधिकारी व कर्मचारी जुटे हुए हैं। शहर के गांधी नगर में गुरुद्वारा सांझीवाल साहिब के पास पावरकॉम के दो बिजली के खंभे और आसपास के दो-तीन पेड़ टूट कर गिर गए। गनीमत यह रही कि जब बिजली के पोल और पेड़ गिरे तब रात होने के चलते

यहां से कोई गुजर नहीं रहा था। वहीं रात दस बजे से बंद हुई बिजली सप्लाई अनेकों क्षेत्रों में दोपहर तक चालू नहीं हो पाई है। जिस कारण अधिकतर लोग पानी को भी तरस गए। मुक्तसर में 13 एमएम बरसात दर्ज की गई है। जिस कारण शहर में निचले क्षेत्रों में वर्षा का पानी भर गया। बैंक रोड, सदर बाजार, कोटली रोड, आदर्श नगर, बाग वाली गली, गोनियाना रोड, मौड़ रोड, अबोहर रोड के कुछ निचले क्षेत्रों में जहां पानी भर गया, वहीं नए बने ओवरब्रिज के ऊपर जहां अभी प्रीमिक्स का काम अधूरा पड़ा है उतनी जगह पर भी पानी भरा दिखाई दिया। पावरकॉम के एसई मोहतम सिंह के अनुसार जिले में सबसे अधिक बिजली के खंभे गिर गए हैं।

अभी तक करीब 150 खंभे तो सिर्फ लंबी क्षेत्र में गिरने की बात सामने आई हैं। वहीं बिजली सप्लाई चालू करने के करीब चार सौ कर्मचारी सुबह से ही लगे हुए हैं ताकि खंभों को दोबारा खड़ा कर बिजली सप्लाई सुचारु की जा सके। वहीं मौसम विभाग के मुताबिक गुरुवार को सूबे में कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। अगले तीन दिन सूबे के पारे में कोई बड़ा बदलाव देखने को नहीं मिलेगा, लेकिन इसके बाद 2-3 डिग्री की वृद्धि दर्ज की जा सकती है। बुधवार को पंजाब के तापमान में 0.7 डिग्री का उछाल दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.1 डिग्री अधिक रहा।

पुलिसकर्मी के महिला किसान को थप्पड़ मारने पर बढ़ा विवाद, अमृतसर-जालंधर समेत कई जगह रेल ट्रैक जाम

पंजाब में किसान एक बार फिर रेल ट्रैक पर बैठ गए हैं। अमृतसर के गांव देवीदासपुरा में अमृतसर दिल्ली रेल ट्रैक पर किसान मजदूर संघर्ष कमेटी के कार्यकर्ताओं की ओर से प्रदर्शन व धरना दिया गया। वहीं जालंधर में किसानों ने लुधियाना से जालंधर और अमृतसर जालंधर-जम्मू के बीच रेलवे मेन लाइन जाम कर दी है। किसान दिल्ली-कटरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूमि अधिग्रहण के विरोध के दौरान एक पुलिसकर्मी द्वारा गुरदासपुर में एक बुजुर्ग महिला प्रदर्शनकारी को थप्पड़ मारने के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। मोगा रेलवे ट्रैक पर भी किसान धरने पर बैठ गए हैं। किसानों की मांग है कि भारत माला प्रोजेक्ट के तहत बनने वाले एक्सप्रेस हाई वे के लिए एक्वायर की गई किसानो की जमीनों का उचित मुआवजा नहीं मिला। वहीं गुरदासपुर में बुधवार को पुलिस द्वारा किसानों पर की गई कार्रवाई के चलते भी किसान गुस्से में हैं। मोगा रेलवे ट्रैक पर भी किसान धरने पर बैठ गए हैं। किसानों की मांग है कि भारत माला प्रोजेक्ट के तहत बनने वाले एक्सप्रेस हाई वे के लिए एक्वायर की गई किसानो की जमीनों का उचित मुआवजा नहीं मिला। वहीं गुरदासपुर में बुधवार को पुलिस द्वारा किसानों पर की गई कार्रवाई के चलते भी किसान गुस्से में हैं। जिसके चलते किसानों ने अनिश्चितकाल के लिए रेल ट्रैक जाम कर दिया है। उनका कहना है कि उनको उनकी जमीनों का उचित मुआवजा दिया जाए और दूसरी तरफ उन पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई की जाए जिन्होंने महिला किसान को थप्पड़ मारा। किसानों का कहना है कि सरकार उनकी मांगें अभी मांग ले तो अभी धरना खत्म कर देंगे। उनका मन नहीं करता कि लोग परेशान हो लेकिन धरना उनकी भी मजबूरी है। वहीं बटाला में किसानों पर लाठीचार्ज के मामले में राजनीति भी शुरू हो गई है। शिरोमणि अकाली दल के प्रधान सुखबीर बादल ने ट्वीट किया-श्री हरगोबिंदपुर में किसानों, विशेषकर महिलाओं और बुजुर्गों पर दमन की बर्बरता ने पंजाबियों को झकझोर कर रख दिया है और किसान विरोधी आप सरकार को दिखाता है। शिरोमणि अकाली दल किसानों पर अत्याचार करने वाले सभी लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करता है।

पंजाब भाजपा के पूर्व महासचिव परवीन बंसल के नेतृत्व में फिल्म द केरला स्टोरी देखने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच
लुधियाना- पंजाब भाजपा के पूर्व महासचिव परवीन बंसल के नेतृत्व में फिल्म द केरला स्टोरी देखने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया जो देश के लोगों की आत्मा को झकझोर देता है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में दलबीर नंदा, इंदर अग्रवाल, सुनील मोदगिल सर्बजीत सिंह काका, नितिन गोयल का विशेष योगदान रहा। समाज में जागरूकता लाने के लिए इस कार्यक्रम में परिवार, रिश्तेदार, दोस्त और भाजपा परिवार के सदस्य शामिल हुए। यह फिल्म केरल की एक सच्ची घटना पर आधारित है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे हिंदू विरोधी, विदेशी और देशी ताकतों द्वारा सुनियोजित

तरीके से हिंदू धर्म की बेटियों के साथ जघन्य कृत्य किया जाता है। इनका मकसद ढुस्ढुस् के लिए सेक्स वर्कर सप्लाई करना है। ये संस्थाएं अरबों रुपए के विदेशी चंदे से चलती हैं। शर्त यह है कि ये बेटियां इस्लाम के अलावा किसी दूसरे धर्म की होनी चाहिए। इन धर्म-विरोधी संगठनों को एक निश्चित समय में पूरा करने का लक्ष्य दिया जाता है। लक्ष्य को कई चरणों में पूरा किया जाता है। एक लड़की के प्यार में पड़ना, उसे गर्भवती करना, उसका धर्म परिवर्तन करना और उसे ढुस्ढुस् आतंकवादियों के लिए सेक्स वर्कर के रूप में भेजना। इस फिल्म में तीन या चार बेटियों की त्रासदी को ही दर्शाया गया है। लेकिन, जिस तरह से धार्मिक स्थलों, कॉलेज के कर्मचारियों, छात्रों और मुहल्ले के देश-विरोधी तत्वों सहित हिंदू-विरोधी संगठनों को एक मजबूत तंत्र द्वारा इस जघन्य योजना से जोड़ा गया है, यह निश्चित रूप से एक नहीं है। सौ पचास नहीं एक दो की कहानी, हजारों बेटियों की जिंदगी बर्बाद करने की है साजिश साथ ही यह सिर्फ केरल की कहानी नहीं है, देश के हर राज्य में है, इन धर्मविरोधी लोगों की योजना पर बड़े पैमाने पर काम हो रहा है और ऐसा दिखता भी है और कुछ घटनाओं से महसूस भी होता है। हिंदू और भारत हजारों साल से इसका शिकार रहे हैं। कभी तलवार से, कभी सोच से और कभी साजिश से। हिंदू समाज अपने बच्चों और आने वाली पीढ़ियों को हिंदू धर्म के बारे में जागरूकता, आस्था और सही जानकारी देकर ही इस साजिश को रोक सकता है। नज़र दौड़ाने से हम पाएंगे कि,अफगान, सूडान, मुग़ल और अंग्रेजों आदि के शासन से आज़ाद भारत के शासकों के हज़ारों वर्षों के इतिहास में देश में, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पहली ऐसी सरकार केन्द्र में बनी है, जो सभी धर्मो का आदर करती है। परन्तु पहले जैसे शासकों की तरह हिन्दू धर्म के लोगों को हानि पहुंचा कर दूसरों को खुश करने की राजनीति नहीं करती। नरेन्द्र मोदी की सरकार ,पावन पवित्र देव भूमि हिंदुस्तान की आस्था, यहां के अराध्य देव, यहां की धार्मिक मान्यताएं, यहां के धर्म स्थल, यहां के सामाजिक ढांचे, की रक्षा के लिए वचन वध है।

शहरी विकास में युवाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए विधायक, उपायुक्त व निगम आयुक्त ने युग कार्यक्रम का शुभारंभ किया

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच
लुधियाना- जिला प्रशासन लुधियाना, नगर निगम लुधियाना और लुधियाना स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने संयुक्त रूप से युवाओं को नागरिक, स्वास्थ्य और स्मार्ट शहर के मुद्दों के बारे में जमीनी स्तर पर शिक्षित करने के लिए यूथ इन अर्बन गवर्नेंस युग% कार्यक्रम शुरू किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विधायक राजिंदरपाल कौर छीना, उपायुक्त सुरभि मलिक और लुधियाना नगर निगम आयुक्त डॉ. शीना अग्रवाल ने कहा कि यह पहल शहरी विकास में युवाओं के योगदान को बढ़ाएगी और एक सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन लाएगी। उन्होंने कहा कि स्कूलों और कॉलेजों सहित सरकारी और निजी शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों को ठोस अपशिष्ट और सीवेज उपचार संयंत्रों, बायोगैस संयंत्रों, फायर ब्रिगेड स्टेशनों ,एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र (आईसीसीसी) के कामकाज के बारे में सीधे सीखने के लिए स्थानों पर ले जाया जाएगा। । इसके

अलावा, युवाओं को नेहरू तारामंडल, संग्रहालय, लुधियाना के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थानों, गांवों, वेरका में औद्योगिक भ्रमण, जैव ईंधन उत्पादन इकाई और अन्य क्षेत्रों में भी ले जाया जाएगा। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञ छात्रों को प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण, पोषण और स्वस्थ आहार और करियर, कानूनी, नशा विरोधी, साइबर, वित्तीय साक्षरता और यातायात जागरूकता की जानकारी भी देंगे। इसके बाद गणमान्य लोगों ने जिला प्रशासनिक परिसर से बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पहले दिन राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जवाहर नगर (लड़कों) के विद्यार्थियों ने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) जमालपुर (ताजपुर रोड पर) और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गोबिंद नगर के विद्यार्थियों ने पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के संग्रहालय का भ्रमण किया। इसी तरह, कुंदन विद्या मंदिर (केवीएम) स्कूल के छात्रों ने नगर निगम जोन डी कार्यालय में नगर निगम के एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र (आईसीसीसी) का दौरा किया, जबकि माउंट इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने नेहरू तारामंडल का दौरा किया। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त (ग्रामीण विकास) अमित कुमार पांचाल, जिला योजना बोर्ड के अध्यक्ष शरणपाल सिंह मक्कड़, आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष हरभूपिंदर सिंह धरोड़ सहित अन्य उपस्थित थे।

आतंकी को फांसी मिलती तो ज्यादा खुशी होती, हमले के आरोपी को भारत सौंपने के फैसले पर बोली चश्मदीद

अमेरिकी कोर्ट के इस फैसले पर देविका ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) में हुए हमले में उनके दाहिने पैर में गोली लगी थी। हमले में मेरे सामने कई लोग मारे गए थे। आतंकी को भारत को सौंपा जा रहा है, इससे मैं खुश हूं। लेकिन अगर आतंकी राणा को फांसी दे दी जाती या फिर उसके खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई की जाती तो मुझे ज्यादा खुशी होती। 26/11 मुंबई हमले की सबसे उम्र की चश्मदीद ने अमेरिकी अदालत के फैसले का स्वागत किया है। अमेरिकी कोर्ट ने आरोपी को भारत को सौंपने की मंजूरी दी है। हालांकि, चश्मदीद का कहना है कि अगर आतंकी को फांसी या कोई और कड़ी सजा दी जाती है तो उन्हें ज्यादा खुशी होगी। देविका नटवरलाल ने आतंकी हमले के बाद दावा किया था कि वह नौ साल की हैं और वह इकलौती सबसे कम उम्र की चश्मदीद गवाह हैं।

जानिए, कोर्ट ने क्या आदेश दिया था

जानकारी के अनुसार, आतंकी तहव्वुर राणा फिलहाल लॉस एंजेलिस के फेडरल लॉकअप में है। साल 2008 में मुंबई में आतंकी हमला हुआ था, जिसमें अमेरिकी नागरिकों सहित कुल 166 लोग मारे गए थे। बुधवार को मामले की सुनवाई करते हुए कैलिफोर्निया सेंट्रल की डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने आतंकी राणा को भारत सौंपने की मंजूरी दी थी। जस्टिस जैकलिन चूलजियान ने बुधवार को 48 पन्नों का आदेश जारी किया था। आदेश जारी करते हुए जस्टिस जैकलिन ने कहा था कि भारत और अमेरिका के बीच प्रत्यर्पण संधि के तहत 62 वर्षीय राणा को भारत को सौंपना चाहिए।

पढ़िए कोर्ट के फैसले पर देविका ने क्या कहा

अमेरिकी कोर्ट के इस फैसले पर देविका ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) में हुए हमले में उनके दाहिने पैर में गोली लगी थी। हमले में मेरे सामने कई लोग मारे गए थे। आतंकी को भारत को सौंपा जा रहा है, इससे मैं खुश हूं। लेकिन अगर आतंकी राणा को फांसी दे दी जाती या फिर उसके खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई की जाती तो मुझे ज्यादा खुशी होती। देविका का कहना है कि आतंकी को भारत लाने या फिर उसे जेल में रखने से कुछ नहीं होगा। आतंकी से पूछताछ की जानी चाहिए। आतंकी हमले से जुड़ी सूचनाएं एकत्र की जानी चाहिए। इससे आतंकियों के बारे में ज्यादा जानकारी मिल पाएगी।

कड़ी सजा से और लोगों में खौफ फैलेगा

देविका का कहना है कि एक ऐसे आतंकी, जिसने आतंकवादी संगठनों के साथ हमले किए। 10 लोगों को गोलियों से भून दिया। उनकी हत्या कर दी। कई लोगों को घायल कर दिया। ऐसे आतंकी को दंड देना चाहिए। इन्हें फांसी पर लटका देना चाहिए, जिससे आगे से कोई और ऐसा करने की कोशिश न करे।

सभी आतंकियों को कटघरे में लाना चाहिए

हमले में शहीद हुए रिजर्व पुलिस बल के जवान राहुल शिंदे के पिता सुभाष शिंदे ने कहा कि हमें पहले से ही पता था कि हमला पाकिस्तान ने कराया है। हमले की साजिश और हमला करने वाले हर एक शख्स को कटघरे में खड़ा करना चाहिए। साजिश का पर्दाफाश होना, शहीदों के लिए श्रद्धांजलि होगी। इसके अलावा हमले में घायल हुई 46 साल की सबीरा खान ने कहा कि मैं राणा के बारे में नहीं जानती। लेकिन हमले में शामिल सभी आरोपियों को सजा मिलनी चाहिए। सबीरा का कहना है कि हमले के 14 साल बाद भी वह ढंग से चल नहीं पाती। अब तक उनकी 12 सर्जरी हो चुकी है।

13 साल में 60 भगोड़े भारत लाए गए; वकील उज्जवल निकम बोले- तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण बड़ी सफलता

उज्जवल निकम का कहना है कि %तहव्वुर राणा 26/11 के आतंकी हमले का साजिशकर्ता था। लश्कर ए तैयबा के ऑपरेटिव डेविड हेडली ने पूछताछ में तहव्वुर राणा की मुंबई हमले में विस्तार से भूमिका के बारे में बताया था।%वरिष्ठ सरकारी वकील उज्जवल निकम का कहना है कि 26/11 हमले के आरोपी तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण, भारत के लिए बड़ी सफलता है। गुरुवार को अमेरिका की अदालत ने तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी दी है। पाकिस्तानी मूल के कनाडाई बिजनेसमैन को साल 2020 में भारत की अपील पर अमेरिका में गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद से अमेरिका की अदालत में तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण का मुकदमा चल रहा था।

भारत के लिए बड़ी सफलता

उज्जवल निकम का कहना है कि %तहव्वुर राणा 26/11 के आतंकी हमले का साजिशकर्ता था। लश्कर ए तैयबा के ऑपरेटिव डेविड हेडली ने पूछताछ में तहव्वुर राणा की मुंबई हमले में विस्तार से भूमिका के बारे में बताया था। राणा ने आतंकियों को हमले के लिए लॉजिस्टिक सपोर्ट पहुंचाई, साथ ही वह पाकिस्तानी सेना के संपर्क में भी था। हेडली ने पूछताछ में सब बताया था। मुंबई हमले का आरोपी हेडली जांच के दौरान गवाह बन गया था और मुंबई के सेशन कोर्ट के सामने उसने सब जानकारी दी थी।% बता दें कि कैलिफोर्निया की सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट की मजिस्ट्रेट जैकलीन चूलजियान ने बुधवार को 48 पन्नों का आदेश जारी किया और कहा कि 62 वर्षीय राणा को भारत और अमेरिका के बीच प्रत्यर्पण संधि के तहत प्रत्यर्पित किया जाना चाहिए। भारत और अमेरिका के बीच 25 जून 1997 को अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री आई के गुजराल के शासन में प्रत्यर्पण संधि हुई थी।

13 सालों में भारत लाए गए 60 भगोड़े

तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण का रास्ता साफ होने के साथ ही फरवरी 2002 से एक दशक से अधिक की अवधि में विदेशी सरकारों द्वारा भारत प्रत्यर्पित या निर्वासित किए गए भगोड़ों की संख्या बढ़कर 60 हो गई है। विदेश मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, फरवरी 2002 से दिसंबर 2015 के बीच विदेशी सरकारों ने अब तक 60 भगोड़ों को या तो भारत प्रत्यर्पित किया है या निर्वासित किया है। इनमें से 11 भगोड़े अमेरिका से, 17 संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से, चार कनाडा और चार थाईलैंड से प्रत्यर्पित किए गए हैं।

1993 के मुंबई बम धमाके के मामले में अपनी भूमिका के लिए उम्रकैद की सजा काट रहे माफिया अबु सलेम को नवंबर 2005 में पुर्तगाल से प्रत्यर्पित किया गया था। वहीं, मुंबई बम हमलों में ही शामिल इकबाल शेख कासकर, इजाज पठान और मुस्तफा अहमद उमर दोसा को 2003 की शुरुआत में यूएई से प्रत्यर्पित किया गया था।

कोकराझाड़ में 13 साल की लड़की से सामूहिक दुष्कर्म, चलती कार में दिया वारदात को अंजाम

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मंगलवार शाम को चार युवकों ने बच्ची को जबरदस्ती कार में बैठा लिया। बाद में उसे राष्ट्रीय राजमार्ग 31सी पर ले गए, जहां चलती कार में उसके साथ दुष्कर्म किया। देश में लगातार दरिंदे बच्चियों को अपना निशाना बना रहे हैं। अब असम के कोकराझार जिले में चलती कार में चार युवकों ने 13 साल की एक मासूम बच्ची से कथित तौर पर दुष्कर्म किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मंगलवार शाम को चार युवकों ने बच्ची को जबरदस्ती कार में बैठा लिया। बाद में उसे राष्ट्रीय राजमार्ग 31सी पर ले गए, जहां चलती कार में उसके साथ दुष्कर्म किया। अधिकारी ने बताया कि यह इलाका दोतमा शहर के पास पड़ता है। जब पुलिस को सूचना मिली तो उन्होंने तलाश शुरू कर दी। अधिकारी ने बताया कि दोतमा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। तलाश के बाद चारों आरोपियों को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों को कोकराझार की एक अदालत में पेश किया गया और उन्हें तीन दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया।

गर्भाशय निकालने की सर्जरी में इजाफा, केंद्र ने राज्यों से मांगी जानकारी

राज्यों को लिखे पत्र में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने कहा है कि हिस्टेरेक्टॉमी सर्जरी से जुड़े आंकड़े जल्द से जल्द उपलब्ध कराएं।चिकित्सा अध्ययनों में सामने आया है कि 28 से 36 साल की महिलाओं में हिस्टेरेक्टॉमी यानी गर्भाशय निकालने वाली सर्जरी की दर बढ़ी है। इसके चलते केंद्र सरकार ने राज्यों से जानकारी भी मांगी है, ताकि जमीनी स्तर पर इस बढ़ोतरी की सच्चाई पता चल सके।राज्यों को लिखे पत्र में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने कहा है कि हिस्टेरेक्टॉमी सर्जरी से जुड़े आंकड़े जल्द से जल्द उपलब्ध कराएं। प्राइवेट और सरकारी दोनों ही तरह के अस्पतालों से सर्जरी के आंकड़े लेकर इसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिये मंत्रालय तक पहुंचाने को कहा है। स्वास्थ्य सचिव का कहना है कि देश के अलग-अलग हिस्सों के कुछ अस्पतालों में इस तरह की प्रैक्टिस बढ़ने की सूचनाएं भी मिली हैं। दरअसल, 2015-16 में जारी राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-4 की रिपोर्ट बताती है कि 30 से 39 वर्ष की आयु वर्ग की महिलाओं में हिस्टेरेक्टॉमी सर्जरी का प्रसार 3.6 फीसदी और 40 से 49 उम्र वाली महिलाओं के बीच 9.2 फीसदी था।

कानून राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल का विभाग बदला, अब स्वास्थ्य राज्य मंत्री बनाए गए

राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल का विभाग भी बदल दिया गया है। अब वे कानून और न्याय मंत्रालय में राज्य मंत्री के स्थान पर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री होंगे। राष्ट्रपति के प्रेस सचिव की ओर जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि भारत के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री की सलाह के अनुसार राज्य मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री के रूप में नियुक्त करने का निर्देश दिया है।

तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण से पाकिस्तान का पर्दाफाश, फडणवीस ने पड़ोसी देश को 26/11 हमले का दोषी बताया

गौरतलब है, 26 नवंबर 2008 को मुंबई में भीषण आतंकी हमला हुआ था। इसमें छह अमेरिकियों सहित कुल 166 लोग मारे गए थे। इन हमलों को 10 पाकिस्तानी आतंकवादियों ने अंजाम दिया था।अमेरिका की एक अदालत ने 26/11 मुंबई आतंकी हमले के गुनहगार पाकिस्तानी मूल के कनाडाई कारोबारी तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पण की मंजूरी दे दी है। इस पर पड़ोसी देश को आड़े हाथ लेते हुए महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि अमेरिका की अदालत के फैसले से साफ हो गया है कि हमले में पाकिस्तान की भूमिका थी। बता दें, फिलहाल राणा लॉस एंजेलिस के फेडरल जेल में बंद हैं।हमले में मरे थे 166 लोग गौरतलब है, 26 नवंबर 2008 को मुंबई में भीषण आतंकी हमला हुआ था। इसमें छह अमेरिकियों सहित कुल 166 लोग मारे गए थे। इन हमलों को 10 पाकिस्तानी आतंकवादियों ने अंजाम दिया था। ये हमले मुंबई के प्रतिष्ठित और महत्वपूर्ण स्थानों पर 60 घंटे से अधिक समय तक जारी रहे थे।

15 साल बाद मिली जीत

आज 15 साल बाद भारत को एक महत्वपूर्ण जीत मिली है।

कैलिफोर्निया की अदालत ने राणा के भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है। यह फैसला ऐसे मौके पर आया है, जब ठीक एक महीने बाद राष्ट्रपति जो बाइडन के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी पहली राजकीय यात्रा पर अमेरिका जाने वाले हैं।

16 मई को अमेरिकी अदालत ने सुनाया फैसला

यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट ऑफ कैलिफोर्निया की मजिस्ट्रेट जज जैकलीन चूलजियान ने 16 मई को 48 पेज के आदेश में कहा था कि न्यायालय ने अनुरोध के समर्थन और विरोध में प्रस्तुत सभी दस्तावेजों की समीक्षा की है और उन पर एवं सुनवाई में प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया है। न्यायाधीश ने कहा कि अदालत का निष्कर्ष है कि राणा उन अपराधों के लिए प्रत्यर्पण योग्य है जिसमें उसके प्रत्यर्पण का अनुरोध किया गया है। आदेश बुधवार को जारी किया गया।

प्रत्यर्पण के आदेश से देश लगा सकेगा प्रतिबंध

फडणवीस ने गुरुवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि हर कोई जानता था कि मुंबई में 26/11 के आतंकवादी हमलों के पीछे पाकिस्तान का हाथ था। अब राणा के भारत प्रत्यर्पण के साथ यह कानूनी रूप से सिद्ध हो जाएगा कि हमले के पीछे पाकिस्तान की भूमिका थी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को एक आतंकी राज्य के रूप में घोषित करने और साथ ही संयुक्त राष्ट्र की कई संधियों के तहत उसके खिलाफ विभिन्न प्रतिबंधों को लागू करने में मदद मिलेगी।

मोदी की तारीफ

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम ने कहा कि डेविड हेडली का बयान इस मामले में सबसे महत्वपूर्ण है। साथ ही उन्होंने मोदी सरकार की तारीफ की। फडणवीस ने कहा कि यह मोदी सरकार और एनएसए थे, जिन्होंने इन मामलों में पहल की। आज हम अब इसका परिणाम देख सकते हैं।

If you want strong earning, then know the difference between them, in which how much will be your savings

The choice between EPF VPF and PPF depends on your personal financial goals, risk appetite and preferences. Let us know what are their merits and what is the difference between them. There are three main types of Provident Fund in India – Employees Provident Fund (EPF), Voluntary Provident Fund (VPF) and Personal Provident Fund (PPF). All three of these government-backed retirement plans operate differently in terms of interest rates, taxation and withdrawal rules. Many people think they are the same, but in reality there are many differences between them. Generally, EPF and VPF are better options for those who are salaried, while experts recommend PPF for those who are self-employed. Given the different rules of taxation and withdrawal of EPF, VPF and PPF Investors should be very aware while taking decisions. In this article, we will compare these three schemes and tell you which one is best for you. What is PPF PPF is a long-term savings scheme available to employees and self-employed individuals. It offers tax deduction on contribution, tax-free interest income and tax-free maturity amount. PPF has a lock-in period of 15 years, but partial withdrawals and loans are allowed after a specific period. PPF is suitable for individuals looking for long term savings with the flexibility of partial withdrawals. What is VPF- VPF is an extension of EPF, allowing employees to voluntarily contribute a higher amount to their EPF account. The tax and withdrawal rules for VPF are the same as for EPF. VPF is beneficial for individuals who want to grow their retirement savings over and above the mandatory EPF contribution. Now turn to EPF- If you are an employee, then EPF is mandatory. If you want to contribute additional funds to your EPF account then you can consider VPF. What is the eligibility of these schemes- EPF is mandatory for employees working in organizations registered under EPFO (Employees' Provident Fund Organisation, established through the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act 1952), while both VPF and PPF are non-salaried How much contribution- Contribution of 12% of the employee's basic salary + dearness allowance in EPF is mandatory and the employer is also bound to pay an equal amount, while both VPF and PPF contributions are voluntary. Only salaried individuals can sign up for VPF, while both salaried and non-salaried individuals can contribute to PPF. Tax Benefits and Returns- All the three schemes have been given tax benefits under section 80C of the Income Tax Act. However, 10% TDS is deducted on EPF balance if it is withdrawn before completion of 5 years of service and the amount is above Rs.50000. In terms of returns, both EPF and VPF offer the same rate of interest, which currently stands at 8.15% per annum. PPF offers an interest rate of 7.1% compounded annually. Withdrawal Rules- EPF offers partial and full withdrawal options subject to certain conditions. PF allows full withdrawal, but withdrawals are taxable only after completion of 5 years and before the lock-in period, while PPF has a lock-in period of 15 years, after which partial withdrawals are allowed Is. Total withdrawal from EPF/VPF can be done only after the age of 58 years. Partial withdrawal is allowed before the age of 58 for purposes such as marriage, medical, house building and education. As per the amended rules, withdrawal can be made up to 75% in case of unemployment of one month.- If the money is withdrawn before the completion of at least five years from the date of first contribution, it will be taxable. The work done in the previous company during the period of five years is also included. Withdrawals made after five years are exempt from tax. PPF allows withdrawal after 6 years from the date of account opening. Pros and Cons- EPF offers guaranteed rate of return and is risk-free. This makes it an ideal investment tool for retirement planning, as the contribution percentage is fixed and is compulsorily payable by both the employee and the employer. VPF is only for salaried individuals and the employer is not liable to contribute an equal amount. While PPF offers higher interest rates and is open to all individuals, it comes with long lock-in periods, limited withdrawal options and no employer participation. Selecting the right provident fund scheme depends on your individual financial goals and circumstances. If you are a salaried individual looking for a risk free investment vehicle, then EPF and VPF are great options. But if you are self-employed, PPF is a good option, provided you are comfortable with a longer lock-in period. Ultimately, each plan has its advantages and disadvantages, and it's important to weigh these factors before making a decision. Taxation rules- When it comes to taxes, EPF and VPF contributions are eligible for tax deduction under section 80C, while PPF contributions are fully tax-deductible. Interest earned on EPF and PPF is tax free, while VPF interest is taxable. PPF is a suitable option for long term tax saving and money growth whereas EPFO PF and VPF are suitable for long term retirement savings.As per the amended rules, withdrawal can be made up to 75% in case of unemployment of one month.- If the money is withdrawn before the completion of at least five years from the date of first contribution, it will be taxable. The work done in the previous company during the period of five years is also included. Withdrawals made after five years are exempt from tax. PPF allows withdrawal after 6 years from the date of account opening. Pros and Cons- EPF offers guaranteed rate of return and is risk-free. This makes it an ideal investment tool for retirement planning, as the contribution percentage is fixed and is compulsorily payable by both the employee and the employer. VPF is only for salaried individuals and the employer is not liable to contribute an equal amount. While PPF offers higher interest rates and is open to all individuals, it comes with long lock-in periods, limited withdrawal options and no employer participation. Selecting the right provident fund scheme depends on your individual financial goals and circumstances. If you are a salaried individual looking for a risk free investment vehicle, then EPF and VPF are great options. But if you are self-employed, PPF is a good option, provided you are comfortable with a longer lock-in period. Ultimately, each plan has its advantages and disadvantages, and it's important to weigh these factors before making a decision. Taxation rules- When it comes to taxes, 80C, while PPF contributions are fully tax-deductible. Interest earned on EPF and PPF is tax free, while VPF interest is taxable. PPF is a suitable option for long term tax saving and money growth whereas EPFO PF and VPF are suitable for long term retirement savings.

Big change is going to happen in the stock market from July 3, know what will affect you

NSE said that with effect from July 3, SGX Nifty will be known as GIFT Nifty. All orders on the Singapore exchange will be transferred to the NSE IFSC exchange for matching and SGX Nifty will be suspended from trading from June 30. Singapore Stock Exchange (SGX) Nifty will be known as GIFT Nifty from July 3. This has been announced by the National Stock Exchange (NSE) itself. For this, all the orders of Singapore Exchange will be completely transferred to NSE IFSC Exchange for matching. Regulatory approval has been received. The exchange said that regulatory approvals from the Monetary Authority of Singapore (MAS) and the International Financial Services Centers Authority (IFSCA) have already been obtained. An NSE spokesperson said, "From July 3, all SGX orders will be 100 per cent transferred to GIFT City, NSE IFSC exchange for matching, SGX Nifty to be called GIFT Nifty from July 3." What is NSE IFSC ?- NSE IFSC is a wholly owned subsidiary of NSE which is an exchange of International Financial Services Center (IFSC) at Gujarat International Finance Tec-City (GIFT), Gujarat. The Singapore Exchange (SGX) announced last month that the NSE IFSC-SGX Connect will be operational at the International Financial Services Center in GIFT City following the transition of SGX Nifty derivatives to the NSE IFSC on July 3. With the move, investors can now trade in dollar denominated Nifty futures contracts available on SGX in GIFT City. In addition, investors will also have real-time access to NSE IFSC market data. The Singapore Exchange in a circular informed its trading members that the full-scale operation of NSE IFSC-SGX Connect (CONNECT) has been completed on NSE IFSC of SGX Nifty derivatives. With the transition to will happen on July 3, 2023. Post transition, all US dollar-denominated Nifty derivative contracts will be traded exclusively on NSE IFSC." There will be no open interest remaining. SGX Nifty will be suspended from trading after the end of the trading session on June 30.

Screws will be tightened on tax evaders; Two months special campaign started, central and state officials will do this work

GST: The Central Board of Indirect Taxes (CBIC) has launched a special drive considering the seriousness of the problem and the complex nature of fraudulent transactions involved. Following this, the authorities have launched a massive crackdown against bogus registration and issuance of bogus bills. Central and state tax authorities have launched a two-month special drive to tackle the growing menace of Goods and Services Tax (GST) evasion in India. Is. With GST evasion expected to exceed Rs 1 lakh crore in FY 2022-23, the authorities have decided to identify bogus GST registrations and take action against the culprits. The GST Policy Wing recently asked Principal Chief Commissioners of Central Tax had alerted about the use of fake or non-genuine registrations for fraudulently passing of input tax credit by issuing invoices without actual supply of goods or services. It is believed that such activities are causing substantial loss to the government's revenue. The Central Board of Indirect Taxes (CBIC) has launched a special drive in view of the seriousness of the problem and the complex nature of the fraudulent transactions involved. After this, the authorities have started a comprehensive action against fake registration and issue of fake bills. Special campaign against tax evaders will run from May 16 to July 15- Despite the government's efforts to curb GST evasion through data analytics, artificial intelligence, Aadhaar-based authentication for new registrations and centralized suspension of defaulting businesses, the number of cases involving GST fraud is on the rise. Nearly 14,000 cases of GST evasion were detected in the financial year 2022-23 alone, involving tax evasion of over Rs 1.01 lakh crore. The Directorate General of GST Intelligence (DGGI) has managed to recover Rs 21,000 crore during this period. A special pan-India campaign has been launched from May 16 to July 15 to crack down on GST fraudsters. During this period, tax officials will work in close coordination with state and central tax administration officials to detect suspicious and fake GST Identification Numbers (GSTINs).

विमान दुर्घटना के बाद गायब थे चार नाबालिग, सेना ने 11 महीने के शिशु समेत चार बच्चों को किया रेस्क्यू

1 मई को हुए विमान दुर्घटना के बाद से 11 महीने के शिशु समेत चार बच्चे लापता थे जिन्हें खोजने के लिए काफी प्रयास किए जा रहे थे। फिलहाल चारों बच्चों को सुरक्षित खोज लिया गया है। इस बात की जानकारी कोलंबिया के राष्ट्रपति ने दी है। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने बुधवार को बताया कि दो सप्ताह से अधिक समय पहले हुए एक विमान दुर्घटना के बाद अमेजन में 11 महीने के एक बच्चे सहित चार स्वदेशी बच्चे जीवित पाए गए हैं।रेस्क्यू के लिए सेना ने किया अथक प्रयास- पेट्रो ने ट्विटर पर इस बात की जानकारी साझा की है। दरअसल, 1 मई को हुए विमान दुर्घटना के बाद उसमें सफर कर रहे नाबालिगों को खोजने के लिए सेना ने कठिन प्रयास किए।

इसके लिए खोजी कुत्तों के साथ 100 से अधिक सैनिकों को तैनात किया गया था। हालांकि, इस दुर्घटना में तीन लोगों के मारे जाने की भी खबर थी।4 नाबालिग बच्चों का किया गया रेस्क्यू- बचावकर्मियों का मानना है कि 11 महीने के बच्चे के अलावा 13, 9 और 4 साल के बच्चे भी दुर्घटना के बाद से दक्षिणी काक्वेटा विभाग के जंगल में भटक रहे हैं। इससे पहले बुधवार को सशस्त्र बलों ने कहा था

कि बचावकर्मियों को लाठी और पेड़ की टहनियों से बनाए गए एक आश्रय स्थल का पता चला, जिसके बाद उन्हें यकीन हो गया कि वहां दुर्घटना की शिकार हुए बच्चे जीवित बचे हैं।सशस्त्र बलों द्वारा जारी तस्वीरों में जंगल के फर्श पर शाखाओं के बीच कैंची देखी गई। वहीं, इससे पहले भी एक तस्वीर साझा की गई थी, जिसमें एक छोटे बच्चे की बोतल और आधा कटा हुआ फल का टुकड़ा देखा गया था। पायलट समेत दो लोगों का शव बरामद- सोमवार और मंगलवार को, सैनिकों को पायलट और दो वयस्कों के शव मिले, जो कोलंबिया के अमेजन वर्षावन के सैन जोस डेल गुआवियर के लिए एक जंगल स्थान से उड़ान भर रहे थे। मृत यात्रियों में से एक महिला शामिल थी,

जिसका नाम रानोक मुकुतुय थी, यह उन्हीं चार बच्चों की मां थी। ऑपरेशन होप के जरिए बचाए गए बच्चे- 40 मीटर से लंबे और विशालकाय पेड़ों, जंगली जानवर और भारी बारिश ने ऑपरेशन होप को थोड़ा मुश्किल बना दिया था। इस रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए तीन हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल किया गया है, जिनमें से एक में बच्चों की दादी का मैसेज रिकॉर्ड किया गया था, ताकि बच्चों को समझाया जा सके कि वो जंगल में आगे न बढ़े, क्योंकि वो खतरनाक हो सकता है। दुर्घटना के कारणों का नहीं लगा पता- हालांकि, अधिकारियों ने यह नहीं बताया है कि विमान दुर्घटना का कारण क्या था। कोलंबिया के आपदा प्रतिक्रिया निकाय ने कहा कि विमान के रडार से गायब होने से कुछ मिनट पहले पायलट ने इंजन में समस्या की सूचना दी थी।

भारतीय मूल के ड्राइवर ने प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी को पैपराजी से बचाया, 10 मिनट तक उनकी कार में बैठे रहे कपल

ब्रिटेन के प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन मर्केल की कार का न्यूयार्क में दो घंटे से अधिक समय तक पैपराजी ने पीछा किया। लेकिन भारतीय मूल के कैब ड्राइवर सुखचरन सिंह ने प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी को करीब 10 मिनट तक अपनी कार में बिठाए रखा।ब्रिटेन के प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन मर्केल की कार का न्यूयार्क में दो घंटे से अधिक समय तक पैपराजी ने पीछा किया। इसके चलते उनकी कार कई कारों और पैदल चल रहे लोगों को टक्कर मारने से बची थी। वहीं, इस घटना के बाद भारतीय मूल के कैब ड्राइवर ने हैरी को अपनी कैब में लिफ्ट दी। न्यूयॉर्क शहर के एक कैब ड्राइवर सुखचरन सिंह ने प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन मार्कल को पैपराजी द्वारा पीछा किए जाने के तुरंत बाद लगभग 10 मिनट तक गाड़ी में बिठाया।प्रिंस और उनकी पत्नी घबरा गई थी भारतीय मूल के ड्राइवर ने बताया कि इस घटना से दोनों स्पष्ट रूप से घबराए हुए थे। वह उन्हें मिडटाउन मैनहट्टन में एक स्थानीय पुलिस परिसर में ले गया और वहां कुछ देर तक उन्हें सुरक्षित रखा, जिससे पैपराजी से बचा जा सके। नौसेना की नीली शर्ट पहने और क्रींस में अपने परिवार के घर के बाहर संवाददाताओं से बातचीत करते हुए श्री सिंह ने पूरी घटना की जानकारी दी।

दो घंटों तक पीछे लगे रहे पैपराजी

सिंह ने कहा कि मैं 67वीं स्ट्रीट पर था तब ही प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी अचानक मेरी कैब में आ कर बैठे थे, लेकिन पैपराजी लगातार उनका पीछा करने में लगे हुए थे। प्रिंस हैरी और मेघन मार्कल के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि प्रिंस और उनकी पत्नी का पैपराजी ने दो घंटों तक लगातार पीछा किया। उन्होंने बताया कि एमएस फाउंडेशन वीमेन ऑफ विजन अवार्ड्स में भाग लेने के बाद पैपराजी ने उनका पीछा किया था। हालांकि, कम से कम 10 मिनट के लिए वे सुखचरन सिंह की कार में रहे थे।

पैपराजी द्वारा पीछा करने में मारी गई थीं उनकी मां

दरअसल, प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन मर्केल की कार का मंगलवार रात (16 मई) अमेरिका के न्यूयॉर्क में दो घंटे से ज्यादा समय तक खतरनाक तरीके से पीछा किया गया। ससेक्स के ड्यूक हैरी के प्रवक्ता ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स को बताया कि ये खतरनाक साबित हो सकता था। कार में मेगन की मां डोरिया भी थीं। बता दें कि किंग चार्ल्स के ब्रिटेन के राजा के तौर पर राज्याभिषेक के बाद हैरी और मेगन पहली बार किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में पहुंचे थे। प्रिंस हैरी की मां, प्रिंसेस डायना, 1997 में पेरिस में पैपराजी के पीछा किए जाने के दौरान एक कार एक्सीडेंट में मारी गई थीं।

चिंताजनक: पांच साल में तापमान का रिकॉर्ड टूटने की आशंका 98 फीसदी तक बढ़ी, WMO का दावा- अल नीनो बनेगा वजह

रिपोर्ट में कहा गया है कि ताप को अवशोषित करने वाली ग्रीनहाउस गैसों और अल नीनो की वजह से अगले पांच वर्षों में वैश्विक तापमान में रिकॉर्ड स्तर की वृद्धि होगी। इस दौरान 98 फीसदी आशंका इस बात की है कि 2023 से 2027 के बीच एक साल ऐसा होगा, जो अब तक के सबसे गर्म साल रहे 2016 के रिकॉर्ड को तोड़ देगा।विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने बुधवार को जारी रिपोर्ट में बताया कि आने वाले पांच वर्षों में जलवायु परिवर्तन के सबसे बुरे प्रभावों को सीमित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत 1.5 डिग्री सेल्सियस की वैश्विक तापमान सीमा को पार करने की आशंका दो तिहाई बढ़ गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ताप को अवशोषित करने वाली ग्रीनहाउस गैसों और अल नीनो की वजह से अगले पांच वर्षों में वैश्विक तापमान में रिकॉर्ड स्तर की वृद्धि होगी। इस दौरान 98 फीसदी आशंका इस बात की है कि 2023 से 2027 के बीच एक साल ऐसा होगा, जो अब तक के सबसे गर्म साल रहे 2016 के रिकॉर्ड को तोड़ देगा।2015 में पेरिस समझौते के तहत तय किया गया कि दुनिया को जलवायु परिवर्तन के भीषण प्रकोप से बचाने के लिए सदी के अंत तक पृथ्वी की सतह के औसत तापमान को औद्योगिक काल पूर्व (1850-1900) काल की तुलना में 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक नहीं होने देना है और किसी भी कीमत पर 2 डिग्री सेल्सियस से कम रखना है। लेकिन, डब्ल्यूएमओ की रिपोर्ट के मुताबिक इस बात की आशंका 66 फीसदी है कि 2023 और 2027 के बीच निकट-सतह वार्षिक औसत वैश्विक तापमान औद्योगिक काल के स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा हो जाएगा।

स्थायी नहीं होगा बदलाव

रिपोर्ट के शीर्ष लेखक व जलवायु विज्ञानी लियोन हर्मनसन कहते हैं, राहत की बात यह है कि यह बदलाव स्थायी नहीं होगा, जिससे वैश्विक तापमान लक्ष्य को हासिल करने की संभावना बनी रहेगी। वैज्ञानिक आमतौर पर 30 साल के औसत का उपयोग करते हैं। यहां ध्यान देने की बात यही है कि जलवायु बदलाव के खिलाफ जारी प्रयासों के सामने बाधाओं का स्तर आने वाले पांच वर्ष में 66 फीसदी तक बढ़ जाएगा, जो पिछले वर्ष तक 48 फीसदी था, 2020 में 20 फीसदी और एक दशक पहले 10 फीसदी था।

अच्छी खबर भी

हर्मनसन कहते हैं, सब बुरा नहीं, अच्छी खबर भी है। ला नीना से अल नीनो में बदलाव की वजह से जहां पहले बाढ़ थी, वहां राहत मिलेगी और और जहां पहले सूखा पड़ा था, वहां जमकर बारिश होने वाली है। अमेजन के जंगल अगले पांच वर्ष असामान्य रूप से सूखे रहेंगे, जबकि जबकि अफ्रीका का साहेल हिस्सा- उत्तर में सहारा और दक्षिण में सवाना के बीच संक्रमण क्षेत्र बारिश से तर होगा। पेन्सिलवेनिया विवि के जलवायु वैज्ञानिक माइकल मान कहते हैं, असल चिंता महासागरों के गहरे पानी में छिपी है, जो मानवजनित गर्मी के बड़े हिस्से को अवशोषित करता है और इसकी वजह से समुद्र की गर्मी की मात्रा में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

आर्मी एक्ट के तहत कार्रवाई, PM शहबाज ने किया समर्थन

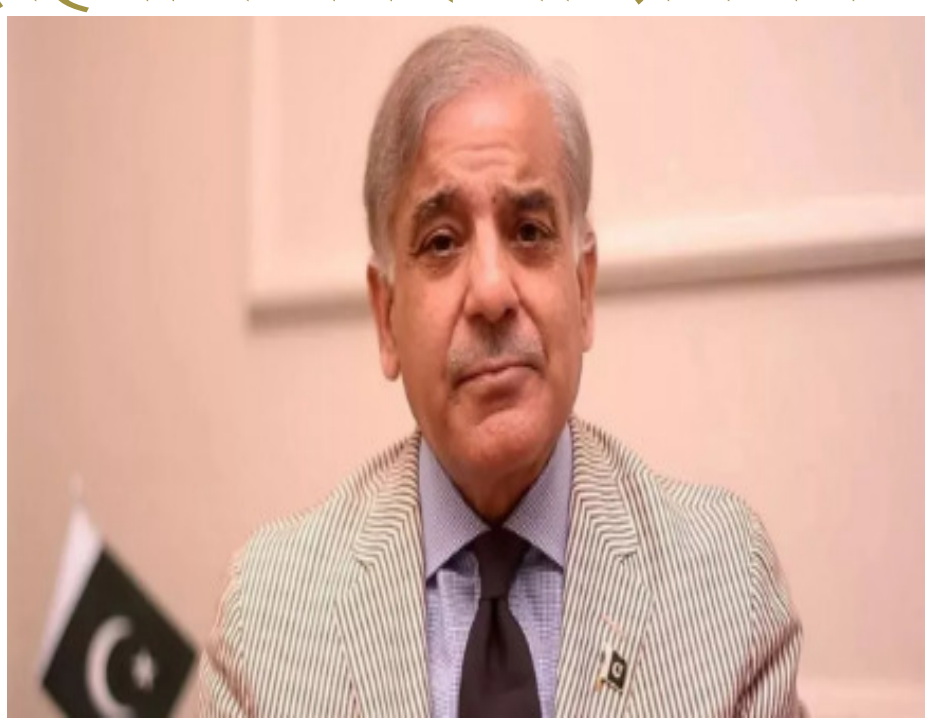

पाकिस्तान में लगातार हालात बद से बद्तर होते जा रहे हैं। वहीं हमले की साजिश रचने राजद्रोह जासूसी जैसे सैन्य अपराधों को रचने वाले लोगों पर आर्मी एक्ट टेररिज्म एक्ट और ऑफीशियल सीक्रेट एक्ट के तहत कार्रवाई करेगी।पाकिस्तान में लगातार हालात बद से बद्तर होते जा रहे हैं। पाकिस्तान पहले ही आर्थिक संकट से जूझ रहा है और इस देश में सरकार और विपक्षी पार्टी के टकराव ने स्थिति को और खराब कर दिया है। बीते कुछ दिनों में सरकार की ओर से प्रमुख विपक्षी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (PTI) के प्रमुख इमरान खान के खिलाफ खोले गए मोर्चे का देश की स्थिति पर और बुरा असर हुआ है। बता दें कि पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान को 9 मई को इस्लामाबाद हाई कोर्ट के बाहर से अरेस्ट किया गया था। इसके बाद पाकिस्तान में जो हुआ वह उसके इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ था। ऐसा देश जहां सैन्य तख्तापलट की कई घटनाएं हो चुकी हैं, उस जमीन पर इमरान खान की गिरफ्तारी से बौखलाए उनके समर्थकों ने उत्पात मचाया। उन्होंने पीएम आवास के साथ-साथ आर्मी हेडक्वाटर, सेना के कई अफसरों के घर पर हमला किया और वहां जमकर तोड़फोड़ की, वाहनों में भी आग लगा दी। शहबाज सरकार और सेना ने सैन्य प्रतिष्ठानों और अफसरों पर किए गए हमलों को सैन्य अपराध माना है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इमरान के समर्थकों द्वारा की गई इस हरकत को एक्ट ऑफ टेररिज्म करार दिया है। पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने इस हमले के बाद बयान भी दिया था कि वे इस हिंसा के किसी भी योजनाकार और इस बर्बरता को अंजाम देने वालों को नहीं छोड़ेंगे। उनका मानना है कि इस हिंसा के पीछे इमरान खान जिम्मेदार हैं। पाकिस्तानी सेना की मीडिया इकाई 'इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस' (ISPR) के मुताबिक सेना प्रमुख और सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करना और उसकी साजिश रचने, राजद्रोह, जासूसी जैसे सैन्य अपराधों को रचने वालों पर आर्मी एक्ट, टेररिज्म एक्ट और ऑफीशियल सीक्रेट एक्ट के तहत कार्रवाई करेगी। सेना के मीडिया विंग ने सोमवार को शीर्ष जनरलों की बैठक के बाद घोषणा की है कि सरकार ने सेना अधिनियम और आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत दंगाइयों और आगजनी करने वालों के खिलाफ मुकदमे को मान्य कर दिया है। वहीं, सरकार ने अभी तक पंजाब प्रांत में 14 मई को चुनाव कराने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश को लागू नहीं किया है। पीएम ने बुधवार को ट्वीट किया कि पिछले एक साल में इमरान के भाषणों से राज्य, उसके प्रतीकों और संवेदनशील प्रतिष्ठानों पर विद्रोही हमले शुरू हो गए हैं। उन्होंने ट्विटर पर लिखा कि उन्होंने लगातार सशस्त्र बलों और मौजूदा सेना प्रमुख पर हमला किया और बहुत चालाकी से हकीकी आजादी (वास्तविक स्वतंत्रता) के नारों के साथ अपना पंथ तैयार किया, जिसका उद्देश्य उन्हें 9 मई को हुई हिंसा के लिए उकसाना था। बता दें कि इमरान खान पिछले साल अप्रैल में अविश्वास मत के जरिए अपदस्थ होने के बाद से नए चुनाव की मांग कर रहे हैं।